दैनिक
सूर्य तरंग
सूर्य तरंग
RNI.No. MPHIN/2023/87039
संपादकः मीरा मिश्रा मो. 8349071471
वर्ष-3 | अंक-270 | प्रातःकालीन दैनिक | भोपाल, मंगलवार 15 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपये

दंड संपूर्ण जगत को नियम के अंदर रखने वाला है, यह धर्म की सनातन आत्मा है। इसका उद्देश्य प्रजा को उद्दंडता से बचाना है।
● महाभारत

ऑपरेशन सिंदूर में 314किमी दूर पाकिस्तानी विमान गिराया था

एयरफोर्स ने सिविल विमानों के बीच मिलिट्री प्लेन को पहचाना, एस-400 डिफेंस सिस्टम ने निशाना लगाया

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना के एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के अंदर 314द्मद्व की दूरी पर उड़ रहे एक विमान को मार गिराया था। रक्षा मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, संघर्ष के दौरान पाकिस्तान ने एयरस्पेस खुला रखा और सिविल फ्लाइट्स भी चलती रहीं। इससे नागरिक विमानों के निशाना बनने का खतरा था। लेकिन एयरफोर्स ने पाकिस्तानी सैन्य विमानों को पहचानकर मार गिराया। रिपोर्ट में गिराए गए विमान को स्पेशल मिशन एयरक्राफ्ट कहा गया है। हालांकि, वायुसेना के अफसर पहले बता चुके हैं कि यह पाकिस्तान का AWACS विमान था, जो हवा में खतरे और टारगेट की एकसाथ पहचान



करता है। इसे हवाई कमांड सेंटर भी कहा जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह भारत की तरफ से जमीन से हवा में किया गया सबसे लंबी दूरी का हमला था। इससे साफ हुआ कि दूरी दुश्मन के विमान को भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम से नहीं बचा सकती।

सिस्टम ने खतरा ट्रैक करके गाइडेड मिसाइल दागी

रिपोर्ट के मुताबिक, एस-400 ने पाकिस्तानी विमान के खतरे को ट्रैक किया। इसके बाद लंबी दूरी की जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल को टारगेट की तरफ गाइड किया गया। मिसाइल ने पाकिस्तानी विमान पर सटीक निशाना लगाया। एस-400 ट्रायम्फ रूस का एडवांस्ड मिसाइल सिस्टम है, जिसे 2007 में लॉन्च किया गया था। यह सिस्टम फाइटर जेट, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल, ड्रोन और स्टेल्थ विमानों तक को मार गिरा सकता है।

बंगाल उपचुनाव में बागी टीएमसी गुट का दांव

कोलकाता। ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट ने सोमवार को छह अक्टूबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। पूर्व मेदिनीपुर जिले की नंदीग्राम सीट से मोहम्मद एतेशामुल हक को उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि मुर्शिदाबाद की रेजीनगर सीट से सफीउद्दीन शेख चुनाव लड़ेंगे। दोनों नामों के एलान के साथ ही इन दोनों सीटों पर टीएमसी के दो गुट आमने-सामने आ गए हैं। यह मुकाबला इसलिए भी अहम है क्योंकि 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी की हार के बाद पार्टी में विभाजन हुआ था। इसके बाद यह बागी गुट का पहला बड़ा चुनावी मुकाबला है। नंदीग्राम और रेजीनगर के उपचुनाव अब केवल विधानसभा सीटों का मुकाबला नहीं रह गए हैं। दोनों गुट इन चुनावों के जरिए खुद को असली तृणमूल कांग्रेस साबित करने की कोशिश करेंगे।

राजस्थान नगर निकाय चुनाव

156 वार्डों के नतीजे जारी, भाजपा 81 कांग्रेस 46 और निर्दलीय 28 जीते

जयपुर/उदयपुर, एजेंसी

राजस्थान में नगर निकाय चुनाव के लिए वोटिंग का आयोजन 2 चरण में संपन्न हो चुका है। आज सोमवार को इस चुनाव का रिजल्ट जारी हो रहा है। वोटों की गिनती भी शुरू हो गई है। आपको बता दें कि राजस्थान के कुल 309 नगर निकायों के चुनाव दो चरणों में हुए हैं। पहले चरण का मतदान 9 सितंबर को हुआ था और बीते शुक्रवार 11 सितंबर को दूसरे चरण का मतदान हुआ। राजस्थान में नगर निकाय चुनाव में 10 नगर निगम, 51 नगर परिषद और 248 नगरपालिकाएं शामिल हैं। पहले चरण में 162 निकायों में वोटिंग प्रतिशत 76.41 प्रतिशत रहा था और दूसरे चरण में



147 निकायों में यह 71.69 प्रतिशत था। दोनों चरणों में कुल वोटिंग 74.05 प्रतिशत रहा था। अब तक कुल 156 वार्डों के परिणाम जारी हो चुके हैं। इनमें बीजेपी ने 81 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि कांग्रेस को 46 सीटें मिली हैं। वहीं निर्दलीय उम्मीदवारों ने 28 सीटों पर जीत हासिल की है।

अब तक 14 निर्दलीयों ने दर्ज की जीत

राजस्थान में निकाय चुनाव के नतीजे आने शुरू हो गए हैं। राज्यभर से अब तक सामने आए परिणामों में 14 निर्दलीय प्रत्याशी जीत दर्ज कर चुके हैं। निर्दलीय प्रत्याशियों के प्रदर्शन से कई निकायों में मुकाबला दिलचस्प हो गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की सेवा-संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा

प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा प्रज्ज्वलित विकास के दीपक का प्रकाश फैल रहा हैं देशभर में:मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रज्ज्वलित विकास के दीपक का प्रकाश देशभर में फैल रहा है। यह श्री मोदी के सेवा और जिम्मेदारी के 25 वर्षों के उजास का प्रतीक है। प्रदेश में सेवा-संकल्प अभियान 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक संचालित होगा। प्रदेशवासी प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्म दिवस 17 सितम्बर को बड़ी संख्या में दीप प्रज्जवलित कर उनके प्रति आभार प्रदर्शित करेंगे, हमारा प्रयास हो कि इस अवसर पर दीप प्रज्ज्वलन का विश्व रिकॉर्ड कायम हो। सेवा संकल्प अभियान का आयोजन ग्राम और नगर स्तर पर अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करते हुए उत्साह पूर्वक किया जाये। सभी कार्यक्रमों की पूर्व तैयारी के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय कर



प्रभावी मॉनीटरिंग हो। विभिन्न कार्यक्रमों की व्यवस्था के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ ही जनप्रतिनिधियों से भी बेहतर समन्वय और सभी संबंधितों की शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सेवा के रंग-राष्ट्र के संग कार्यक्रम के अंतर्गत जबलपुर में ह्युमन रंगोली का राज्य स्तरीय आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेवा संकल्प अभियान की प्रदेश में जारी तैयारियों की समत्व भवन में समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, मंत्री श्री राकेश सिंह, मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, मंत्री श्री विश्वास सारंग, श्री नागर सिंह चौहान, मंत्री श्री राकेश शुक्ला, मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार और राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल वर्चुअली शामिल हुए।

समत्व भवन में हुई बैठक में मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई, श्री केसी गुप्ता, श्री संजय दुबे, श्री अनुपम राजन, श्री संजय शुक्ला, श्री शिवशेखर शुक्ला तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक से समस्त संभागायुक्त तथा जिला कलेक्टर्स वर्चुअली जुड़े।

अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों पर प्रस्तुतिकरण

सेवा-संकल्प अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितम्बर को आर्शीवाद का दिया कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश में दीप प्रज्ज्वलन के साथ होगी। उज्जैन के महाकाल महालोक सहित प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों के प्रत्येक वार्ड में शाम 7 बजे एकसाथ दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, उज्जैन के कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे।

प्रदेश के सभी लाभार्थी परिवारों और संस्थाओं को दीप प्रज्जवलन में शामिल किया जाए। प्रयास है कि इस महत्वपूर्ण अवसर पर मध्यप्रदेश दीप प्रज्जवलन में विश्व रिकॉर्ड कायम करे।

पाकिस्तान ने आतंकी मसूद-अजहर पर इनाम बढ़ाकर 70 लाख किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने भारतीय संसद पर हमले के आरोपी जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर पर इनाम बढ़ाकर 70 लाख पाकिस्तानी रुपए कर दिया है। पाकिस्तान की फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने आतंकियों की नई रेड बुक में अजहर को एक बार फिर भगोड़ा घोषित किया है। यह कार्रवाई अक्टूबर में होने वाली फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की बैठक से पहले की गई। मसूद अजहर भारत में संसद के अलावा 2016 पठानकोट एयरबेस हमले और 2019 पुलवामा अटैक में भी आरोपी है।

भारतीय संसद, पठानकोट-पुलवामा हमले में आरोपी, एफएटीएफ की बैठक से पहले एक्शन

कंधार विमान हाईजैक के बाद रिहा हुआ मसूद

24 दिसंबर 1999 को इंडियन एयरलाइंस का काठमांडू से दिल्ली आ रहे विमान का अपहरण कर लिया गया। विमान को पहले अमृतसर, लाहौर, दुबई और कंधार पहुंचाया गया।मसूद अजहर उस समय भारत की जेल में बंद था। वह हरकत-उल-अंसार से जुड़ा आतंकवादी था और 1994 में जम्मू-कश्मीर में गिरफ्तार किया गया था।कंधार पहुंचने के बाद हाईजैकर्स ने उसकी रिहाई की मांग की। भारत ने 31 दिसंबर 1999 को आतंकी मसूद अजहर, अहमद उमर सईद शेख और मुश्ताक अहमद जरगर को रिहा किया।

दिशा सालियान की मौत पर सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की

पहली 2 जांच में सुसाइड बताया गया; एक्टर सुशांत की मैनेजर थीं दिशा

मुंबई। एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत के मामले में सीबीआई ने सोमवार को एफआईआर दर्ज की है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2 सितंबर को दिशा के पिता की याचिका पर सीबीआई जांच के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने मुंबई पुलिस की जांच पर सवाल उठाते हुए कहा था कि छह साल तक एफआईआर दर्ज नहीं करना और मामले को सिर्फ हादसे के रूप में देखना कई सवाल खड़े करता है। दिशा की मौत 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड में एक इमारत की 14वीं मंजिल से गिरने से हुई थी।



केस को दबाने की कोशिश

दिशा के पिता सतीश सालियान का आरोप है कि दिशा के साथ गैंगरेप और हत्या हुई और मामले को दबाने की कोशिश की गई। उन्होंने आदित्य ठाकरे समेत अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर की मांग की थी। उन्होंने कहा- मैं 6 साल से इसका इंतजार कर रहा था। खुश होने की कोई वजह नहीं है।

हिंदी का दूसरी भाषाओं से कॉम्पिटिशन नहीं

शाह बोले-विविधता देश की ताकत, युवा दुनियाभर की भाषाएं सीखें, लेकिन अपनी मातृभाषा न छोड़ें

मुंबई। गृह मंत्री अमित शाह ने हिंदी दिवस पर अपने वर्चुअल संबोधन में कहा कि हिंदी का दूसरी भारतीय भाषाओं से कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत की भाषाई विविधता उसकी सबसे बड़ी ताकत है और हर भाषा अपने साथ इतिहास, लोक परंपराएं और संस्कृति लेकर चलती है। शाह ने युवाओं से दुनिया की ज्यादा से ज्यादा भाषाएं सीखने, लेकिन अपनी मातृभाषा न छोड़ने की अपील की। उन्होंने माता-पिता से भी बच्चों से मातृभाषा में बात करने को कहा। शाह के मुताबिक, अपनी भाषा बोलने को लेकर हीन भावना नहीं होनी चाहिए, क्योंकि भाषा ही लोगों को उनकी मां, मिट्टी, इतिहास और संस्कृति से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भारतीय भाषाओं ने राष्ट्र निर्माण और विकास को लोगों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। शाह ने हिंदी को आगे बढ़ाने में स्वामी दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के योगदान का भी जिक्र किया।



आजादी के बाद भारतीय भाषाओं की भूमिका

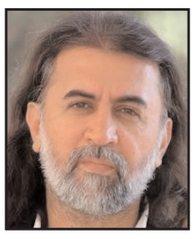
शाह ने कहा- आजादी के बाद भारतीय भाषाएं राष्ट्र निर्माण, प्रशासन और विकास को आम लोगों तक पहुंचाने का माध्यम बनीं। हिंदी समेत सभी भारतीय भाषाओं ने जनजागरण, राष्ट्रीय एकता और स्वतंत्रता के आदर्शों को आगे बढ़ाया।

हिंदी से सीधे जुड़ते हैं आम लोग-

गृह मंत्री ने कहा- मेरी मातृभाषा गुजराती है। लेकिन जब मैं देश के किसी भी कोने में जाता हूं, तो वहां के आम लोगों से सीधे जुड़ने वाली भाषा हिंदी होती है। शाह ने कहा- स्वामी दयानंद सरस्वती की मातृभाषा गुजराती थी, फिर भी उन्होंने 'सत्यार्थ प्रकाश' हिंदी में लिखा। महात्मा गांधी ने 1918 में मद्रास में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की। नेताजी सुभाष चंद्र बोस बंगाली भाषी थे, फिर भी उन्होंने आजाद हिंद फौज में हिंदी को संवाद की भाषा बनाया और देश को 'जय हिंद' का नारा दिया।

तरुण तेजपाल ने किया सरेंडर

सुप्रीम कोर्ट में सजा के खिलाफ अपील पर होगी सुनवाई, अब 22 सितंबर पर टिकी नजरें



नई दिल्ली। दुष्कर्म मामले में दोषी ठहराए गए और तहलका पत्रिका के पूर्व संपादक तरुण तेजपाल ने मापुसा कोर्ट के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें तीन सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने और इसकी प्रमाणित पावती (सरेंडर सर्टिफिकेट) अदालत में पेश करने का निर्देश दिया था। इसी आदेश के अनुपालन में तेजपाल ने मापुसा कोर्ट में सरेंडर किया।

सजा के खिलाफ अपील पर सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली तरुण तेजपाल की अपील पर सुनवाई का रास्ता भी साफ किया है, जिसमें हाईकोर्ट ने उन्हें दुष्कर्म के मामले में दोषी करार देते हुए 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने संकेत दिया है कि यदि तेजपाल निर्धारित समयसीमा के भीतर आत्मसमर्पण का प्रमाणपत्र पेश कर देते हैं, तो उनकी अपील को 22 सितंबर को सूचीबद्ध किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने रखी थी आत्मसमर्पण की शर्त

सुप्रीम कोर्ट ने तेजपाल को तीन सप्ताह के भीतर संबंधित अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया था। साथ ही उन्हें आत्मसमर्पण का प्रमाणपत्र अदालत में दाखिल करना था। यह प्रमाणपत्र उनकी ओर से दायर अपील को आगे सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किए जाने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण माना गया है। न्यायमूर्ति अलोक अराधे की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यदि तेजपाल समय पर आत्मसमर्पण का प्रमाणपत्र प्रस्तुत कर देते हैं, तो उनकी अपील को 22 सितंबर को सूचीबद्ध करने पर विचार किया जा सकता है। बॉम्बे हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसके तहत उन्हें बलात्कार के मामले में दोषी ठहराया गया था।

कामयाबी | **डीआरडीओ की ऐतिहासिक उपलब्धि से खत्म हुई विदेशी आयात पर निर्भरता**

स्वदेशी गैलियम नाइट्राइड तकनीक का सफल प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने हाई-फ्रीक्वेंसी वाले रक्षा प्रणालियों के लिए स्वदेशी उन्नत तकनीक का सफलतापूर्वक प्रदर्शन और कार्यान्वयन कर लिया है। यह तकनीक अगली पीढ़ी के रडार, इलेक्ट्रानिक वारफेयर सिस्टम, अत्याधुनिक संचार, खुफिया निगरानी, टोही और मानवरहित प्रणालियों की रीढ़ साबित होगी।

इस अभूतपूर्व उपलब्धि से भारतीय रक्षा क्षेत्र में एक नया सवेरा हुआ है, जो देश को वैश्विक मंच पर रक्षा तकनीक का सिरमौर बना रहा है। इस तकनीकी सफलता का मुख्य आधार गैलियम नाइट्राइड सेमीकंडक्टर तकनीक है। रक्षा मंत्रालय की वित्त वर्ष 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट में देश की रक्षा क्षमताओं को लेकर अत्यंत गर्व की अनुभूति



कराने वाली यह बात सामने आई है।

डीआरडीओ की सालिड स्टेट फिजिक्स लैबोरेटरी ने चार-इंच व्यास के सिलिकान कार्बाइड वेफर्स को विकसित करने की स्वदेशी प्रक्रिया को मूर्त रूप दिया है। इस सफलता के तहत मात्र 3.5 3 3 मिमी आकार की एक अकेली स्वदेशी गैलियम नाइट्राइड चिप 30 वाट तक की शक्ति प्रदान करने और सिलिकान से 300 गुना अधिक गति से काम करने में सक्षम है।

देश की आत्मनिर्भरता को मजबूत कर रही तकनीक

एक्स-बैंड आवृत्तियों तक के लिए गैलियम नाइट्राइड मोनोलिथिक माइक्रोवेव इंटीग्रेटेड सर्किट तकनीक का सफल प्रदर्शन और कार्यान्वयन किया जा चुका है। इसके अलावा, हैदराबाद स्थित गाएटेक में गैलियम नाइट्राइड-आन-सिलिकान कार्बाइड आधारित मोनोलिथिक माइक्रोवेव इंटीग्रेटेड सर्किट की सीमित उत्पादन सुविधा भी स्थापित की जा चुकी है, जो अंतरिक्ष, एयरोस्पेस, 5जी और उपग्रह संचार जैसे क्षेत्रों में देश की आत्मनिर्भरता को मजबूत कर रही है। अतीत में गैलियम नाइट्राइड जैसी संवेदनशील, अत्याधुनिक और वैश्विक स्तर पर प्रतिबंधित तकनीक के लिए भारत पूरी तरह दूसरे देशों से आयात पर निर्भर था। इस रणनीतिक कमजोरी को दूर करने के लिए इनोवेशन्स फार डिफेंस एक्सीलेंस पहल के तहत अग्निट सेमीकंडक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक ऐतिहासिक अनुबंध किया गया था।

माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान के तहत हिनोता कलां में प्रशिक्षण आयोजित

सूर्य तरंग / ब्यूरो हटा

हटा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं नर्मदा समग्र के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण एवं जल स्त्रोतों को प्रदूषण से बचाने के उद्देश्य से 'माटी गणेश, सिद्ध गणेश अभियान' का आयोजन 4 सितंबर से 14 सितंबर 2026 तक पूरे मध्यप्रदेश में किया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत 12 सितंबर 2026 को पीएम श्री शासकीय माध्यमिक शाला हिनोता कलां में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला दमोह की सहयोगी संस्था संत नामदेव शिक्षा समिति हटा द्वारा सेक्टर स्तरीय माटी गणेश-सिद्ध गणेश प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अतिथियों द्वारा मां वीणावादिनी एवं मां भारती के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पूजन-अर्चन के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी एवं गायत्री परिवार से जुड़े हरिनारायण चौंकरया उपस्थित रहे। उन्होंने मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करते हुए लोगों से आह्वान किया कि वह अपने-अपने घरों में मिट्टी से गणेश प्रतिमाओं का निर्माण कर उन्हें स्थापित करें और पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें।

कार्यक्रम में हिनोता कलां के सरपंच प्रतिनिधि विक्रांत पटेल एवं पीएम श्री विद्यालय के प्राचार्य पं. ध्रुव कुमार गोस्वामी ने उपस्थित प्रस्फुटन समिति



सदस्यों, नवांकुर सखियों एवं छात्र-छात्राओं को माटी गणेश की स्थापना के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्लास्टर ऑफ पेरिस से निर्मित प्रतिमाओं के विसर्जन से नदियों, तालाबों एवं अन्य जल स्त्रोतों में प्रदूषण बढ़ता है। इसके विपरीत मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमा को घर में ही किसी पात्र में विसर्जित कर उस मिट्टी का उपयोग पौधों आदि में किया जा सकता है, जिससे जल स्त्रोतों को प्रदूषण से बचाने के साथ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है।

उत्कृष्ट प्रतिमा बनाने वाली छात्राओं का सम्मान

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड समन्वयक पुष्पा सिंह द्वारा माटी से गणेश जी की सर्वश्रेष्ठ प्रतिमा बनाने वाली विद्यालय की छात्राओं कु. कुमकुम पटेल एवं कु. राधिका पटेल को फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया गया। छात्राओं के प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिनोता कलां सेक्टर की प्रस्फुटन समितियों निवाई माफी, रमतलैया, हिनोता कलां, निमरमुड़ा एवं रनेह तथा गैसाबाद सेक्टर की मुहरई, गैसाबाद, बलेह, देवरा जामसा एवं कचनारी से अध्यक्ष एवं सचिव सहित अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सहभागिता रही।

कार्यक्रम में पं. दिनेश दुबे, लल्लू राम कुर्मी, आरती सेनी, दुर्गेश पटेल, देवीसिंह राजपूत, राहुल सिंह, एमएसडब्ल्यू छात्र नवीन नामदेव एवं साकिर खान सहित अन्य उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक दमोह के निर्देशन में अनुभाग हटा में अवैध शराब के विरुद्ध ताबड़तोड़ कार्यवाही



सूर्य तरंग / ब्यूरो हटा

हटा। श्रीमान पुलिस अधीक्षक दमोह आनंद कलादगी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में एसडीओपी हटा केपी सिंह के नेतृत्व में अनुभाग हटा पुलिस एवं पुलिस लाइन दमोह के संयुक्त टीम द्वारा थाना रजपुरा के बंजारा बहुल ग्राम हरदूटोला में अवैध शराब के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए 5 अलग अलग प्रकरणों में 5 आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए कुल 53 लीटर कच्ची महुआ शराब जप्त करते हुए 415 किलोग्राम महुआ लाहान क़ीमत लगभग लगभग 34 हजार रुपये मौके पर नष्ट किया गया,कार्यवाही में एसडीओपी हटा केपी सिंह, परि. डीएसपी शिव प्रसाद कंगाली,थाना प्रभारी रजपुरा शिवनारायण यादव,थाना प्रभारी मगरोन निरी वंदना गौर,निरी सविता रजक,निरी नेहा गोस्वामी, उप निरीक्षक मडियादो सरदार सिंह, सउनि सुन्दरलाल थाना हटा,सउनि तिलक सिंह पुलिस लाइन एवं स्टॉफ थाना हटा, मडियादो, रनेह, रजपुरा, कुम्हारी, पटेरा, गैसाबाद, स्टाफ पुलिस लाइन की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

अनहद में 33 गीतों ने पुराने दौर की यादें ताजा कीं

लाभ मंडपम में मुकेश, रफी, किशोर कुमार, सोनू निगम, लकी अली के नगमे सुनाए

सूर्य तरंग / ब्यूरो इंदौर

इंदौर । झरते हुए भाद्र माह और कलाओं के देवता श्रीगणेश के जन्मोत्सव के पूर्व लाभ मंडपम में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. शैलेंद्र कर्णावत ने अनहद शीर्षक से तैंतीस गीतों की महफिल सजाई। मुंबई की संगीता मेलेकर इंदौर की शिफा अंसारी गौड़ और शिवांगी मिश्रा पाठक ने सुरीला साथ देकर कार्यक्रम की मधुरता को दोबाला कर दिया । खुशनुमा मौसम से लबरेज इन दिनों में जब चाय-कॉफी पकोड़े का लुत्फ लिया जा रहा हो और बड़ी संख्या में श्रोताओं ने ऐसे गीतों का रसास्वादन किया जो हिंदी चित्रपट संगीत की मेलोड़ी को जीवंत बना रहे थे। श्रोताओं में भोपाल ग्वालियर दिल्ली एवं मुंबई के उनके दोस्त भी मौजूद रहे।

डॉ. कर्णावत स्व-दीक्षित गायक हैं और साल में एक बार ऐसी महफिल का इंतखाब करते हैं जिसमें वे किसी जॉनर विशेष से हटकर अनेक गायकों को अपनी फेहरिस्त में शामिल करते विविधता का सिलसिला रचते हैं। इससे एक ही गायक से कई रंगों के गीत सुनने का सुख शामिल हो जाता है। इस अनहद में तलत मेहमूद, मन्नाड़े, हेमंतकुमार, मुकेश, मो. रफी, किशोर कुमार, भूपेंदरसिंह, सोनू सोनू निगम से लेकर लकी अली तक के गीत सम्मिलित थे। ये 33 गीत उस समय की याद दिलाने में कामयाब रहे जब घर-घर में फिल्म संगीत न केवल पसंद किया जाता था, बल्कि गुनगुनाया भी जाता था। यहां सोलो और सभी ड्युएट्श को बढ़िया निभाया गया।

रेट्रो म्यूजिक शो की आर्टिस्ट को सुना

संगीता मेलेकर, शिफा और शिवांगी ने कुछ एकल और 14 युगल गीतों में बेहतरीन सहभाग से कार्यक्रम को रफ्तार दी। देशभर में होने वाले रेट्रो म्यूजिक लाइव शो की सबसे सीनियर आर्टिस्ट के रूप में संगीता जी को सुनना हमेशा एक नया अनुभव होता है। मीठी आवाज के साथ उनकी गौत गाने की तन्मयता ने अनहद को भी सुशोभित किया। संगीत संयोजन में अभिजीत गौड़ की भूमिका रही। उन्होंने अपने अरेंजमेंट में की बोर्ड के साथ वॉयलिन, गिटार, सितार, बांसुरी, सेक्सोफोन जैसे इकॉस्टिक वार्थों को भी शामिल किया। सभी कलाकारों द्वारा आशा भोंसले और सुमन कल्याणपुर की याद दिलाती मेडली पेश की।

हिंदी दिवस पर राष्ट्रभाषा के अधिकतम प्रयोग का लिया संकल्प

हिंदी भवन में शपथ विधि एवं पेविंग ब्लॉक लगाने का भूमि पूजन संपन्न

सूर्य तरंग / ब्यूरो भोपाल

भोपाल। 14 सितंबर भोपाल- मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति एवं हिंदी भवन न्यास, भोपाल द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में शपथ विधि कार्यक्रम का आयोजन हिंदी भवन परिसर में किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित साहित्यकारों, हिंदीसेवियों एवं गणमान्य नागरिकों ने दैनिक जीवन में हिंदी भाषा के अधिकतम प्रयोग का संकल्प लिया। साथ ही अपने हस्ताक्षर भी हिंदी में करने तथा हिंदी को व्यवहार और कार्य-व्यवहार की भाषा बनाने की शपथ ली।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व राज्यसभा सांसद रघुनंदन शर्मा मुख्य अतिथि विधायक भगवानदास सबनानी उपस्थित रहे। इस अवसर पर हिंदी भवन न्यास के पेविंग ब्लॉक लगाए जाने के कार्य का भूमि पूजन भी संपन्न हुआ। भूमि पूजन भगवानदास सबनानी रघुनंदन शर्मा एवं मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के मंत्री-संचालक डॉ. विकास दवे द्वारा विधिवत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रघुनंदन शर्मा ने कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, संवेदना और राष्ट्रीय चेतना की भाषा है। हिंदी का सम्मान तभी सार्थक होगा, जब हम उसे अपने दैनिक व्यवहार में सहजता से अपनाएँ। मुख्य अतिथि भगवानदास सबनानी ने कहा कि हिंदी को लेकर केवल भावनात्मक आग्रह पर्याप्त नहीं है, बल्कि हमें अपने व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाना होगा। हिंदी दिवस का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब हिंदी हमारे व्यवहार और कार्य-संस्कृति का स्वाभाविक हिस्सा बने।

मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के मंत्री-संचालक डॉ. विकास दवे ने कहा कि भाषा के प्रति सम्मान केवल आयोजनों और नारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। हिंदी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमारे व्यवहार, हस्ताक्षर कार्यालयीन कार्य और दैनिक जीवन में दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदी को जन-जन की व्यवहारिक भाषा बनाने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। इस अवसर पर हिंदी भवन परिसर के विकास एवं संरक्षण से संबंधित कार्यों को भी गति देने की दिशा में विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हिंदी सेवी साहित्यकार एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिये पंजीयन 10 अक्टूबर तक

किसान निर्धारित समय पर करायें पंजीयन : खाद्य मंत्री श्री राजपूत

सूर्य तरंग / ब्यूरो भोपाल

भोपाल। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिये किसान पंजीयन प्रक्रिया का निर्धारण कर दिया गया है। किसान 10 अक्टूबर तक पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन 15 सितम्बर से शुरू हो रहा है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने किसानों से आग्रह किया है कि निर्धारित समय में पंजीयन करा लें, जिससे किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो। उन्होंने बताया है कि किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। प्रदेश में 1100 से अधिक पंजीयन केन्द्र बनाये गये हैं।

पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था

पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत एवं तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर और सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर की गई है।

पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था

पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर की गई है। प्रति पंजीयन के लिये 50 रूपये से अधिक शुल्क नहीं लिया जाएगा। किसान पंजीयन के लिए भूमि संबंधी दस्तावेज़ एवं किसान के आधार कार्ड एवं अन्य फोटो पहचान पत्रों का समुचित परीक्षण कर उनका रिकार्ड रखा जाना अनिवार्य होगा।

सिकमी/बटाईदार/कोटवार एवं वन पट्टाधारी किसान के पंजीयन की सुविधा केवल सहकारी समिति एवं सहकारी विपणन सहकारी संस्था ?द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर उपलब्ध होगी। इस श्रेणी के शत-प्रतिशत किसानों का सत्यापन राजस्व विभाग द्वारा किया जाएगा।

उपार्जित फसल के भुगतान हेतु बैंक खाता

किसान द्वारा समर्थन मूल्य पर विक्रय उपज का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर किसान के आधार लिंक बैंक खाते में किया जाएगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते में भुगतान करने में किसी कारण से समस्या उत्पन्न होने पर किसान ?द्वारा पंजीयन में उपलब्ध कराये गए बैंक खाते में भुगतान किया जा सकेगा। किसान पंजीयन के समय किसान को बैंक खाता नंबर और ड्रूस्रष्ट कोड की जानकारी उपलब्ध करानी होगी। अक्रियाशील बैंक खाते, संयुक्त बैंक खाते एवं फिनो, एयरटेल, पेटीएम, बैंक खाते पंजीयन में मान्य नहीं होंगे। पंजीयन व्यवस्था में बेहतर सेवा प्राप्त करने के लिए यह जरूरी होगा कि किसान अपने आधार नंबर से बैंक खाता और मोबाईल नंबर को लिंक कराकर उसे अपडेट रखें।

सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देशित किया गया है कि जिला और तहसील स्तर पर स्थापित आधार पंजीयन केन्द्रों को क्रियाशील रखा जाए जिससे किसान वहां जाकर आसानी से अपना मोबाईल नंबर एवं बायोमेट्रिक अपडेट करा सके। इस कार्य के लिए पोस्ट ऑफिस में संचालित आधार सुविधा केन्द्र का भी उपयोग किया जा सकता है। आधार नंबर से बैंक खाता लिंक कराने के लिए बैंकों के साथ भी समन्वय आवश्यक होगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते के सत्यापन के लिये पंजीयन के दौरान ही 1 रूपये का ट्रांजेक्शन मध्यप्रदेश राज्य आपूर्ति निगम द्वारा ई-उपार्जन/जेआईटी पोर्टल के माध्यम से कराया जाएगा।

आधार नंबर का वेरिफिकेशन

पंजीयन कराने और फसल बेचने के लिए आधार नंबर का वेरिफिकेशन कराना अनिवार्य होगा। वेरीफिकेशन आधार नंबर से लिंक मोबाईल नंबर पर प्राप्त ओटीपी से या बायोमेट्रिक डिवाईस से किया जा सकेगा। किसान का पंजीयन केवल उसी स्थिति में हो सकेगा जबकि किसान के भू-अभिलेख के खाते एवं खसरे में दर्ज नाम का मिलान आधार कार्ड में दर्ज नाम से होगा। भू-अभिलेख और आधार कार्ड में दर्ज नाम में विसंगति होने पर पंजीयन का सत्यापन तहसील कार्यालय से कराया जाएगा। सत्यापन होने की स्थिति में ही उक्त पंजीयन मान्य होगा।

किसानों को करें एसएमएस

विगत रबी एवं खरीफ के पंजीयन में जिन किसानों के मोबाइल नंबर उपलब्ध हैं, उन्हें एसएमएस से सूचित करने के निर्देश दिये गये हैं। गांव में डोडी पिटवाकर ग्राम पंचायतों के सूचना पटल पर पंजीयन सूचना प्रदर्शित कराने तथा समिति/ मंडी स्तर पर बैनर लगवाने के निर्देश भी दिये गये हैं। किसान पंजीयन की सभी प्रक्रियाएँ समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये गये हैं।

निमाड़ क्षेत्र की पारेषण व्यवस्था हुई सुदृढ़ : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

एमपी ट्रांसको ने मूंदी एक्स्ट्रा हाई टेंशन सब स्टेशन में ऊर्जीकृत किया 50 एमवीए क्षमता का अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर

सूर्य तरंग / ब्यूरो भोपाल

भोपाल। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने 132 केवी सबस्टेशन मूंदी (खंडवा) में 50 एमवीए क्षमता का अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किया है। इस ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से मूंदी सब स्टेशन की क्षमता बढ़कर 90 एमवीए की हो गई है जिससे जहाँ सबस्टेशन में बढ़ते लोड का उचित प्रबंधन किया जा सकेगा, वहीं मूंदी सबस्टेशन में दूसरा ट्रांसफार्मर लगने से निमाड़ अंचल के इस क्षेत्र के ट्रांसमिशन नेटवर्क को सुदृढ़ता, फ्लेक्सेविलिटी और विश्वसनीयता प्रदान हुई है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि 132 के वी सबस्टेशन मूंदी में वर्तमान और भविष्य में बढते लोड को देखते हुए 40 एमवीए क्षमता के अतिरिक्त 50 एमवीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किया गया है। इस क्षमता वृद्धि से मूंदी सबस्टेशन से जुड़े हजारों घरेलू, कृषि विद्युत उपभोक्ताओं को सीधा लाभ होगा अब उन्हें और अधिक गुणवत्ता की विद्युत आपूर्ति उपलब्ध रहेगी। एमपी ट्रांसको खंडवा के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री सुरेंद्र सोलंकी ने बताया कि 132 के वी मूंदी सबस्टेशन में इस अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर को स्थापित कर ऊर्जीकृत करने से खंडवा जिले की ट्रांसफार्मेसन कैपेसिटी में बढोत्तरी

2342 एम वी ए की हो गई है, वही मूंदी सब स्टेशन की ट्रांसफार्मेसन कैपेसिटी बढ़कर 90 एमवीए की हो गई है। श्री सोलंकी ने बताया कि मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी खंडवा जिले में अपने 7 सब स्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण करती है ।

जिनमें 400 केवी सबस्टेशन छैगांव माखन, 220 केवी सबस्टेशन छनैरा, तथा 132 केवी के खंडवा, मूंदी, सिंगोट, छैगांव माखन एवं पंधाना सबस्टेशन शामिल है।400 केवी सबस्टेशन की क्षमता 630, 220 केवी की 1000 तथा 132 केवी सब स्टेशनों की क्षमता 712 एम वी ए की है जिससे खंडवा जिले की कुल क्षमता 2342 एम वी ए की हो गई है।

एमपी ट्रांसको की ट्रांसपोर्टेशन कैपेसिटी बढ़कर हुई 85448 एमवीए

एमपी ट्रांसको प्रदेश में अपने 417 एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज सब स्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण करती है जिसमें 400 केवी के 14 सब स्टेशन, 220 केवी के 88 सबस्टेशन एवं 132 केवी के 315 सबस्टेशन शामिल हैं। एमपी ट्रांसको के प्रदेश में कुल 1056 पावर ट्रांसफार्मर क्रियाशील है जिसमें 400 केवी के 41, 220 के वी वोल्टेज लेवल के 220 और 132 के वी के 795 ट्रांसफार्मर शामिल हैं।

इस 50 एमवीए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से एमपी ट्रांसको की कुल ट्रांसफारमेशन कैपेसिटी (पारेषण क्षमता) बढ़कर 85488 एमवीए की हो गई है।

वरिष्ठ पत्रकार लीलाधर साहू बने भाजपा किसान मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी

सूर्य तरंग / ब्यूरो गौरझामर

गौरझामर। श्रीराम साहू भारतीय जनता पार्टी सागर ग्रामीण जिले में संगठनात्मक नियुक्तियों के क्रम में वरिष्ठ पत्रकार श्री लीलाधर साहू, गौरझामर को भाजपा किसान मोर्चा सागर ग्रामीण का जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्री रविन्द्र पटेरिया द्वारा घोषित जिला कार्यकारिणी में उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। लीलाधर साहू लंबे समय से पत्रकारिता एवं सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय हैं। वरिष्ठ नेतृत्व के प्रति व्यक्त किया आभार अपनी नियुक्ति पर लीलाधर साहू ने भाजपा के वरिष्ठ नेतृत्व, जिला संगठन एवं किसान मोर्चा के पदाधिकारियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से पूर्व कैबिनेट मंत्री वर्तमान विधायक भैया गोपाल भार्गव, देवरी विधायक भैया ब्रजबिहारी पटेरिया , युवा समाजसेवी भैया अभिषेक भार्गव एवं भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती रानी कुशवाहा एवं भाजपा किसान मोर्चा सागर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष रविन्द्र पटेरिया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे।

शुभचिंतकों ने दी बधाई,लीलाधर साहू को जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त किए जाने पर समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं, साहू तेली समाज जिला सागर, गौरझामर, देवरी, केसली, रहली, गढ़ाकोटा एवं सागर जिले के मित्र मंडल सहित अनेक शुभचिंतकों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

भोपाल मंडल होकर जोधपुर-चेन्नई के बीच 09 ट्रिप साप्ताहिक पूजा स्पेशल ट्रेन का संचालन

मंडल के गुना, बीना, भोपाल एवं इटारसी होकर गुजरेगी

सूर्य तरंग / ब्यूरो भोपाल

भोपाल। यात्रियों की सुविधा एवं अतिरिक्त यात्री भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा गाड़ी संख्या 04815/04816 जोधपुर-चेन्नई-जोधपुर साप्ताहिक पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। यह विशेष ट्रेन जोधपुर से 09 फेरे तथा चेन्नई से 09 फेरे चलेगी। जिसका विवरण इस प्रकार है- गाड़ी संख्या 04815 जोधपुर-चेन्नई बीच पूजा स्पेशल ट्रेन जोधपुर स्टेशन से प्रत्येक शनिवार को 03 अक्टूबर 2026 से 28 नवंबर 2026 तक कुल 09 ट्रिप चलेगी। यह ट्रेन जोधपुर से 21:20 बजे प्रस्थान कर अगले दिन मंडल के गुना स्टेशन 09:25 बजे, बीना 11:45 बजे, भोपाल 15:00 बजे एवं इटारसी 17:10 बजे आगमन कर विभिन्न मध्यवर्ती स्टेशनों पर ठहराव करते हुए सोमवार को चेन्नई बीच स्टेशन 20:00 बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 04816 चेन्नई बीच-जोधपुर पूजा स्पेशल ट्रेन चेन्नई सेंट्रल स्टेशन से प्रत्येक मंगलवार को 06 अक्टूबर 2026 से 01 दिसंबर 2026 तक कुल 09 ट्रिप चलेगी। यह ट्रेन चेन्नई बीच से 17:15 बजे प्रस्थान कर मध्यवर्ती स्टेशनों पर ठहराव करते हुए अगले दिन मंडल के इटारसी 20:10 बजे, भोपाल 22:40 बजे, बीना 02:55 बजे आगमन कर गुना स्टेशन 05:00 बजे पहुंचेगी और आगे विभिन्न स्टेशनों से होते हुए गुरुवार को जोधपुर स्टेशन 20:30 बजे पहुंचेगी। कोच संरचना- इस विशेष ट्रेन में कुल 24 आईसीएफ कोच होंगे, जिसमें 02 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 15 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 03 स्लीपर श्रेणी तथा 02 एसएलआरडी कोच शामिल हैं। ठहराव स्टेशन- मेड़ता रोड जंक्शन, डेगाना जंक्शन, मकराना जंक्शन, कुचामन सिटी, फुलेरा जंक्शन, जयपुर, दुर्गापुरा, सवाई माधोपुर, सोगरिया, बारां, छबड़ा गुगोर, रुठियाई जंक्शन, गुना, बीना जंक्शन, भोपाल जंक्शन, इटारसी जंक्शन, नागपुर जंक्शन, बल्लारशाह, सिरपुर कागजनगर, मंचेरियल, वारंगल, खम्मम, विजयवाड़ा जंक्शन, बापटला, चिराला, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर जंक्शन, नायडूपेटा एवं चेन्नई बीच । सीनियर डीसीएम श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि यात्रियों की सुविधा एवं अतिरिक्त यात्री भीड़ को ध्यान में रखते हुए यह साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन संचालित की जा रही है। इस ट्रेन के संचालन से मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश एवं तमिलनाडु के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त रेल सुविधा उपलब्ध होगी। यात्रियों से अनुरोध है कि वे इस अतिरिक्त रेल सेवा का लाभ उठाएं। यात्री इस स्पेशल ट्रेन की विस्तृत जानकारी स्टेशन, रेल मदद 139, रेलवन एप अथवा ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।

ऑपरेशन ग्रीन स्ट्राइक के तहत बड़वानी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

दुर्गम पहाड़ी एवं जंगल क्षेत्रों में ड्रोन और पैदल सर्चिंग कर 27 क्विंटल से अधिक अवैध गांजे की फसल जब्त

बड़वानी, खरगोन एवं खंडवा जिले के 400 से अधिक पुलिसकर्मियों की 12 टीमों ने 19 गांवों में एक साथ चलाया सघन सर्चिंग अभियान

लगभग 1 करोड़ 15 लाख रुपये से अधिक का 27 क्विंटल से अधिक अवैध मादक पदार्थ जब्त

भोपाल । मध्यप्रदेश में अवैध मादक पदार्थों की खेती, तस्करी एवं परिवहन के विरुद्ध प्रदेश में लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बड़वानी जिले में अवैध गांजे की खेती के विरुद्ध 'ऑपरेशन ग्रीन स्ट्राइक' के तहत अब तक की बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। कार्रवाई में 27 क्विंटल से अधिक गांजे के पौधे बरामद किए गए। जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत 01 करोड़ 15 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है।यह कार्यवाही पुलिस महानिरीक्षक, ग्रामीण जोन इंदौर, पुलिस उप महानिरीक्षक, निमाड़ रेंज खरगोन तथा पुलिस अधीक्षक बड़वानी के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सेंधवा के नेतृत्व में बड़वानी, खरगोन एवं खंडवा जिलों के 400 से अधिक पुलिसकर्मियों की 12 टीमों द्वारा की गई।थाना वरला क्षेत्र के दुर्गम पहाड़ी एवं जंगल इलाकों में अवैध रूप से की जा रही गांजे की खेती के विरुद्ध विशेष अभियान संचालित किया गया। टीमों द्वारा थाना वरला क्षेत्र के 19 गांवों में एक साथ सघन सर्चिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान ड्रोन तकनीक की सहायता लेने के साथ ही पुलिस टीमों ने दुर्गम पहाड़ी एवं जंगल ।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा



शिवपुरी। शहर में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी अकरम शाह को देहात थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे शिवपुरी जिला जेल भेज दिया गया। आरोपी को इससे पहले एक लॉज में नाबालिग के साथ पकड़ा गया था। बाद में प्रशासन ने उसे जिलाबदर भी किया था। मामला तब सामने आया था, जब आरोपी की पत्नी ने पुलिस में शिकायत कर उसके खिलाफ मारपीट, घर से निकालने की साजिश और नाबालिग के शोषण के आरोप लगाए थे। 12 जुलाई 2026 को शिवपुरी शहर की एक लॉज में अकरम शाह के नाबालिग के साथ होने की सूचना मिली थी। इसके बाद उसकी पत्नी और नाबालिग की मां हिंदू संगठनों के सदस्यों के साथ मौके पर पहुंचीं। अकरम शाह को पकड़कर कोतवाली लाया गया था। इस दौरान उसके साथ मारपीट किए जाने की बात भी सामने आई थी। उस समय पुलिस ने अकरम शाह के खिलाफ शांतिभंग की धाराओं में कार्रवाई कर उसे जेल भेज दिया था। बाद में प्रशासन ने उसे 18 अगस्त 2026 को जिलाबदर घोषित कर दिया था।

कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष को भ्रातृशोक

मगरौनी। कस्बा मगरौनी के किशनपुर निवासी कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष संजय हर्षाना के बड़े भाई राजू गुर्जर हर्षाना का हृदयगति रुक जाने से निधन हो गया। उनके निधन पर पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष कल्लूराम कुशवाह, सुशील शर्मा, नाथूराम दुबे, एलसी झा, रामबाबू झा, कैलाश झा, आरसी शर्मा, एसएस कुशवाह, डॉ. केएन पाठक तथा अनेक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष संजय हर्षाना के घर जाकर शोक व्यक्त किया। शोक व्यक्त करने वालों में उत्तम सिंह कंषाना, पं. बृजेश शास्त्री, संजय गौतम, सुरेंद्र कंषाना आदि मुख्य हैं।

टूटी नंबर प्लेट के आधार पर कार की तलाश में जुटी पुलिस

तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत, दो घायल

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जिले के लुकवासा चौकी क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-46 पर शनिवार शाम सड़क हादसा हो गया। लुकवासा बायपास पर जगन्नाथ होटल के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार तीन लोगों को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हुए हैं।

बदरवास थाना क्षेत्र के सांडर गांव निवासी भूरा उर्फ चंद्रभान यादव, मुकेश शर्मा और रामकुमार शर्मा बाइक से कोलारस तहसील गए थे। तीनों जमीन से जुड़े काम को पूरा करने के बाद बाइक से वापस बदरवास लौट रहे थे।



शनिवार शाम जब तीनों लुकवासा बायपास पर जगन्नाथ होटल के पास से गुजर रहे थे, तभी पीछे से तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए।

हादसे की सूचना के बाद घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल शिवपुरी भेजा गया। यहां डॉक्टरों ने चंद्रभान यादव को मृत घोषित कर दिया। मुकेश शर्मा और रामकुमार शर्मा को फ्रैक्चर हुआ है। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस को घटनास्थल से कार की टूटी हुई नंबर प्लेट मिली है। पुलिस इसी नंबर प्लेट के आधार पर फरार कार और उसके चालक की तलाश कर रही है। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रविवार को पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया। हादसे की जानकारी मिलने के बाद मृतक के परिवार में शोक का माहौल है।



वन भूमि पर चला प्रशासन का बुलडोजर, आधा दर्जन से अधिक झोपड़ियां हटाईं, कच्ची शराब भी मिली

नगर संवाददाता, शिवपुरी

शहर के देहात थाना क्षेत्र में कब्रिस्तान के पास वन भूमि पर प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। राजस्व, वन विभाग, आबकारी और पुलिस की संयुक्त टीम जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर मौके पर पहुंची। टीम ने वन भूमि पर बनी करीब 8 से 10 झोपड़ियों को हटाकर जमीन से अतिक्रमण साफ कराया। वन भूमि पर बाहर से आए कुछ कंजर परिवार झोपड़ियां बनाकर रह रहे थे। इन लोगों के खिलाफ बाहर से कच्ची शराब लाकर बेचने और अन्य अवैध गतिविधियों में शामिल होने की शिकायतें मिली थीं। शिकायतों के बाद प्रशासन ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की।

कार्रवाई के दौरान जेसीबी की मदद से वन भूमि पर बनी झोपड़ियों को तोड़ा गया। वहीं, मौके पर आबकारी विभाग की टीम को बड़ी मात्रा में कच्ची शराब भी मिली। टीम ने शराब को जब्त कर लिया। आबकारी विभाग ने मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। संयुक्त कार्रवाई के बाद वन भूमि से अतिक्रमण हटा दिया गया।

श्रीगणेश सांस्कृतिक समिति का भव्य गणेश महोत्सव आज से

समिति देगी 1.21 लाख रुपये तक के नकद पुरस्कार

नगर संवाददाता, शिवपुरी

शहर के न्यू ब्लॉक स्थित हंस बिल्डिंग के समीप श्री गणेश सांस्कृतिक समिति न्यू ब्लॉक द्वारा इस वर्ष श्री गणेश उत्सव को भव्य एवं आकर्षक बनाने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। समिति द्वारा 14 सितंबर को गणेश स्थापना के साथ समारोह का शुभारंभ किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्रतियोगितात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समिति द्वारा प्रतियोगिताओं में 1.21 लाख रुपये तक के नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

श्री गणेश सांस्कृतिक समिति ने बताया कि 16 सितंबर से 23 सितंबर तक अचल झांकी प्रतियोगिता एवं पंडाल सजावट प्रतियोगिता आयोजित होगी। इसके साथ ही मंचीय कार्यक्रमों में जूनियर एवं सीनियर वर्ग के सोलो डांस और ग्रुप डांस, राष्ट्रीय योग प्रदर्शन सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। वहीं, 25 सितंबर को सुंदर विमान, सुंदर मूर्ति, बैंड एवं ढोल सहित भव्य चल झांकी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जो गणेशोत्सव के दौरान जन-जन के आकर्षण का केंद्र रहेगी। समिति द्वारा इस बार कार्यक्रम को और अधिक व्यवस्थित एवं भव्य स्वरूप देने की तैयारी की जा रही है। विगत दिवस समिति अध्यक्ष तेजमल सांखला के निवास पर आयोजित बैठक में आगामी गणेश समारोह की तैयारियों एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष तेजमल सांखला, महासचिव महेंद्र रावत, सचिव सौरभ सांखला, उपाध्यक्ष तरुण अग्रवाल, वीरेंद्र जैन, श्याम सुंदर राठौर, किशोर खंडेलवाल, गोपाल गोड, राजीव शर्मा, कालूराम शिवहरे, दिनेश गर्ग गुड्डे, मुन्नालाल कुशवाह, संजीव गुप्ता, ब्रज दुबे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

साइबर ठगी में इस्तेमाल मोबाइल नंबर ट्रेस

51 हजार और 5 हजार की ठगी के मामलों में कार्रवाई, दो सिम धारकों पर केस

नगर संवाददाता, शिवपुरी

साइबर ठगी के मामलों में इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबरों की जांच के बाद खनियाधाना और मायापुर थाना पुलिस ने दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। जांच में दोनों मोबाइल नंबर सिम धारकों के नाम पर पाए गए। पुलिस ने रिकॉर्ड और पूछताछ के आधार पर दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी और आईटी एक्ट की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खनियाधाना थाना पुलिस ने मोबाइल नंबर 6232378702 की जांच की। साइबर पुलिस मुख्यालय से मिले रिकॉर्ड के अनुसार, इस नंबर से महाराष्ट्र के औरंगाबाद निवासी अजिंक्या प्रकाश माली को फोन किया गया था। फोन करने वाले ने खुद को पुलिस अधिकारी बताया और अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए पीड़ित से 51,600 रुपए एक बैंक खाते में जमा करा लिए।

जांच में मोबाइल नंबर रामरतन लोधी (71), पुत्र बाघराज लोधी, निवासी मजरा फुटेरा, ग्राम मुहारीखुर्द के नाम पर मिला। पुलिस ने सिम बेचने वाले पीओएस एजेंट से भी पूछताछ की, जिसमें सिम जारी होने की पुष्टि हुई। इसी नंबर से तमिलनाडु के थूथुकुडी निवासी महेश्वरन से जुड़ी एक अन्य साइबर ठगी की शिकायत भी सामने आई। रिकॉर्ड और जांच के आधार पर पुलिस ने मोबाइल नंबर के उपयोगकर्ता के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

दूसरे नंबर से 5 हजार रुपए की ठगी

मायापुर थाना पुलिस ने मोबाइल नंबर 7999120858 की जांच की। यह नंबर गुजरात के नवसारी जिले के बिलिमोरा थाना क्षेत्र में हुई साइबर ठगी की शिकायत से जुड़ा मिला। शिकायत के मुताबिक, 12 जून 2026 को पीड़ित के मोबाइल पर अनजान व्यक्ति का फोन आया था। इसके बाद उसके बैंक खाते से बिना जानकारी के चार ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 5,100 रुपए निकाल लिए गए। पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई थी। जांच में यह मोबाइल नंबर राममिलन लोधी, पुत्र खलक सिंह लोधी, निवासी ग्राम पायगा (कुटियाटोर), थाना मायापुर के नाम पर मिला। पुलिस ने सिम बेचने वाले पीओएस एजेंट मुकेश तिवारी से पूछताछ की। इसके बाद सिम धारक राममिलन लोधी से भी पूछताछ की गई। पुलिस के मुताबिक, राममिलन लोधी मोबाइल नंबर के इस्तेमाल और ठगी के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। जांच में मिले रिकॉर्ड और पूछताछ के आधार पर उसके खिलाफ भी आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस दोनों मामलों में मोबाइल नंबरों के इस्तेमाल, ठगी की रकम और आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है।

पेट में बाल... मन में तनाव... डॉक्टरों ने किशोरी को दिया नया जीवन

नगर संवाददाता, शिवपुरी

श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, शिवपुरी में एक 14 वर्षीय किशोरी को पेट दर्द की शिकायत के साथ शल्य चिकित्सा विभाग में 11 सितंबर को भर्ती किया गया।

भर्ती के दौरान जांच में मरीज का हीमोग्लोबिन बहुत कम, 7.8 ग्राम, पाया गया। इसके लिए मरीज को 2 यूनिट रक्त चढ़ाया गया। आवश्यक नैदानिक परीक्षण एवं जांचों के उपरांत किए गए सीटी स्कैन में उदर में छिद्र होने की संभावना पाई गई। मरीज की नैदानिक स्थिति एवं जांच रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए सर्जरी विभाग द्वारा अधिष्ठाता डॉ. ईला गुजारिया के मार्गदर्शन एवं विभागाध्यक्ष सर्जरी डॉ. अनंत राखोंडे के नेतृत्व में मंगलवार को डॉक्टरों ने एक दुर्लभ और जटिल मामले में बच्ची के पेट से 16गुणा14 सेंटीमीटर का बालों का बड़ा गुच्छा (ट्राइकोबेजोआर) निकालकर उसकी जान बचाई। यह



पेट के भीतर बालों का बड़ा गुच्छा होने की हुई पुष्टि

सीटी स्कैन में पेट के भीतर बालों का बड़ा गुच्छा होने की पुष्टि के बाद डॉक्टरों की टीम ने ओपन सर्जरी का निर्णय लिया। टीम में प्रोफेसर डॉ. सौरभ चौहान, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कौशलेन्द्र सिंह नरवरिया एवं पीजी डॉ. महेश पाटीदार तथा विभागाध्यक्ष एनेस्थीसिया डॉ. प्रियंका गुप्ता शामिल रहे। तीन घंटे चले ऑपरेशन के बाद बच्ची के पेट से बालों का गुच्छा निकाला गया।

3 से 4 साल से पेट में जमा हो रहे थे बाल

चिकित्सालय के प्रोफेसर डॉ. सौरभ चौहान ने बताया कि बाल पचते नहीं हैं। लंबे समय तक निगलने पर ये पेट में जमा होकर ठोस गुच्छा बना लेते हैं। इतने बड़े ट्राइकोबेजोआर को एंडोस्कोपी से पूरी तरह निकालना मुश्किल है। ओपन सर्जरी के जरिए ही इसे सुरक्षित तरीके से हटाया जा सकता है। हमारी टीम ने एक ही सत्र में यह प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की।

गुच्छा पेट के करीब 90 प्रतिशत हिस्से में फैला हुआ था और छोटी आंत तक पहुंच गया था। मिली जानकारी के अनुसार, 14 वर्षीय पूजा (परिवर्तित नाम) पिछले कई महीनों से लगातार उल्टी, पेट भरा-भरा लगना और भूख कम लगने की समस्या से परेशान थी।

सेवा संकल्प अभियान

जिलेभर के सभी बूथों पर 17 को एक साथ जलेंगे आशीर्वाद के दीये

नगर संवाददाता, शिवपुरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संवैधानिक प्रमुख (मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री) के रूप में लगातार 25 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर भाजपा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक पूरे प्रदेश में व्यापक 'सेवा संकल्प अभियान' का आयोजन करने जा रही है।

इस माहव्यापी अभियान का मुख्य उद्देश्य पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में आए बदलावों, प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं और 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है।दर्शन सिंह चौधरी ने बताया कि अभियान की शुरुआत 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर 'सेवा दिवस' के रूप में होगी। इस दिन पूरे प्रदेश में रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे।

उसी शाम 7 बजे प्रदेश के सभी बूथों पर आशीर्वाद का दीया जलाया जाएगा, जिसमें कार्यकर्ता और आम नागरिक अपने घरों में



दीया प्रज्वलित कर जनसेवा के 25 वर्षों के प्रति आभार व्यक्त करेंगे। अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर से 7 अक्टूबर तक प्रदेश के स्कूलों में 'विकसित भारत' विषय पर चित्रकारी और भाषण प्रतियोगिताएं होंगी। वहीं, गांवों और सार्वजनिक स्थलों पर 'नमो सेवा-अनकही कहानियां' शीर्षक से संगीतमय नाट्य और नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए जाएंगे। 25 सितंबर से 7 अक्टूबर तक सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर तीन दिवसीय 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम होगा। जिले की सभी विधानसभाओं में 'सेवा सेतु कैंप' लगाए जाएंगे, ताकि पात्र हितग्राहियों को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिल सके।इसके अतिरिक्त युवाओं के लिए 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज' और सार्वजनिक स्थानों पर 'ह्यूमन रंगोली' जैसे कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

इस कार्यक्रम के संयोजक लवलेश जैन (चीनू) रहे। इस अवसर पर भाजपा के जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव, कोलारस विधायक महेंद्र यादव, करैरा विधायक रमेश प्रसाद खटीक, पूर्व विधायक प्रहलाद भारती, उपाध्यक्ष हेमंत ओझा, महामंत्री योगेंद्र रघुवंशी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लोक अदालत में 145 लोग हुए लाभान्वित

शिवपुरी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी के अध्यक्ष तथा प्रधान जिला न्यायाधीश राजेन्द्र प्रसाद सोनी के मार्गदर्शन में शनिवार को न्यायालय पोहरी में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत का औपचारिक शुभारंभ व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड पोहरी श्रीमती अंजलि पटेल द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस नेशनल लोक अदालत में विभिन्न आपराधिक एवं चेक बाउंस प्रकरणों का निराकरण कर कुल 64,11,600 रुपये की वसूली की गई, जिससे कुल 145 व्यक्ति लाभान्वित हुए। पोहरी न्यायालय में प्रकरणों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण के लिए दो खंडपीठों का गठन किया गया। खंडपीठ क्रमांक 28 में व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड पोहरी अंजलि पटेल के न्यायालय द्वारा नेशनल लोक अदालत में 26 आपराधिक प्रकरणों तथा धारा 138 एनआईए (चेक बाउंस) के 18 प्रकरणों का निराकरण करते हुए 56,99,000 रुपये की वसूली की गई। इसी प्रकार खंडपीठ क्रमांक 29 में व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड पोहरी सुश्री काजल नायक की खंडपीठ द्वारा 14 आपराधिक प्रकरणों एवं धारा 138 एनआईए के 3 प्रकरणों का निराकरण कर 7,12,600 रुपये की वसूली की गई। इसके अतिरिक्त बैंक के 481 प्रिलिटिगेशन प्रकरणों का समाधान करते हुए 3,02,200 रुपये की वसूली की गई। इस प्रकार लोक अदालत में कुल 61 आपराधिक प्रकरण तथा 17 चेक बाउंस प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। नेशनल लोक अदालत के शुभारंभ एवं आयोजन के अवसर पर न्यायाधीशगण के साथ अभिभाषक संघ पोहरी के अध्यक्ष श्री एस.यू. सिद्दिकी, समस्त अधिवक्तागण, भारतीय स्टेट बैंक पोहरी, मध्यभारत ग्रामीण बैंक एवं यूको बैंक बैरा के शाखा प्रबंधक, बीएसएनएल पोहरी के अधिकारीगण तथा न्यायालयीन कर्मचारीगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

फेसबुक पर आपत्तिजनक कमेंट, आक्रोशित लोगों ने किया थाने का घेराव, आरोपी पर प्रकरण दर्ज

शिवपुरी। करैरा में सोशल मीडिया पर धार्मिक यात्रा से जुड़ी पोस्ट पर किए गए कमेंट को लेकर रविवार को हंगामा हो गया। लोगों ने करैरा थाने के बाहर करीब डेढ़ घंटे तक प्रदर्शन किया और आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। पुलिस ने मामला दर्ज किया, जिसके बाद प्रदर्शन खत्म हो गया। कुछ दिन पहले करैरा कस्बे से मां कैलादेवी, करौली के लिए धार्मिक यात्रा निकली थी। इस यात्रा से जुड़ी एक पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर की गई थी। आरोप है कि करैरा निवासी आशीष गोयल ने इस पोस्ट पर आपत्तिजनक कमेंट किया। कमेंट सामने आने के बाद लोगों में नाराजगी फैल गई। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर करैरा थाने पहुंचे। प्रदर्शन में महिलाएं भी शामिल थीं। लोगों ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज करने की मांग की। थाने के बाहर करीब डेढ़ घंटे तक प्रदर्शन चलता रहा। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे एफआईआर दर्ज होने तक मांग पर अड़े रहे। बाद में पुलिस ने नरेंद्र साहू पुत्र स्वरूप नारायण साहू की शिकायत पर आशीष गोयल निवासी करैरा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 299 के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफआईआर दर्ज होने के बाद थाने के बाहर चल रहा प्रदर्शन खत्म हो गया।

मैराथन में युवाओं के दो गुटों में मारपीट

शिवपुरी। करैरा कस्बे के टीला-लोटनपुरा स्टेडियम में मैराथन दौड़ प्रतियोगिता के दौरान युवाओं के दो गुटों में मारपीट हो गई। घटना भाजपा जिला उपाध्यक्ष और पाल बघेल धनगर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल सिंह पाल दद्दा के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान हुई। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कुछ युवक एक-दूसरे से मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। मैराथन दौड़ के दौरान कुछ बाइक सवार युवक प्रतिभागियों के आगे चल रहे थे। इसी बात को लेकर कुछ युवकों के बीच बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ा और दोनों गुटों के युवक आपस में भिड़ गए। मौके पर मौजूद लोगों ने युवकों को समझाने और बीच-बचाव करने की कोशिश की। इसके बावजूद कुछ देर तक दोनों पक्षों के बीच मारपीट होती रही। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में है। फिलहाल मारपीट में कितने लोग घायल हुए हैं, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस में शिकायत दर्ज हुई है या नहीं, इसे लेकर भी अभी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है।

चल समारोह का शहर में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर किया गया स्वागत

किराड़ धाकड़ समाज ने निकाला भगवान बलराम का भव्य चल समारोह

नगर संवाददाता, शिवपुरी

किराड़ धाकड़ समाज के आराध्य देव भगवान श्री बलराम जी के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर रविवार को जिला मुख्यालय शिवपुरी में भव्य चल समारोह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव से ओतप्रोत इस आयोजन में समाज के महिला, पुरुष, युवा एवं वरिष्ठजनों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। भगवान श्री बलराम जी के जयकारों से शहर का वातावरण भक्तिमय हो गया। चल समारोह में भगवान श्री बलराम जी की आकर्षक झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही।



समाजबंधु उत्साह और उमंग के साथ चल समारोह में शामिल हुए। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर नागरिकों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा पुष्पवर्षा कर चल समारोह का स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री बलराम जी की पूजा-अर्चना कर समाज एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। चल समारोह निर्धारित मार्ग से होते हुए मानस भवन पहुंचा, जहां भगवान श्री बलराम जी के जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित समारोह में समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। शिक्षा, खेल, सामाजिक एवं अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम में सांसद दर्शन सिंह चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष गुना अरविंद धाकड़, पूर्व मंत्री राजकुमार पटैल, पूर्व मंत्री सुरेश धाकड़ रॉठखेड़ा, पूर्व विधायक श्री प्रहलाद भारती, धरणीधर समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नरेश किरार एवं जनपद अध्यक्ष दिलराज किरार सहित समाज के अनेक वरिष्ठजन, युवा एवं समाजबंधु उपस्थित रहे।

शिक्षा को दें सर्वोच्च प्राथमिकता: दर्शन सिंह

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नर्मदापुरम के सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने समाजजनों से शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति और मजबूत भविष्य की आधारशिला शिक्षा है। समाज के प्रत्येक परिवार को अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के अवसर भी उपलब्ध कराना आवश्यक है। समाज के सक्षम लोगों को आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के प्रतिभाशाली बच्चों की शिक्षा में सहयोग के लिए आगे आना चाहिए, ताकि प्रतिभाओं को संसाधनों के अभाव में आगे बढ़ने से न रुकना पड़े।

समाज की मजबूती के लिए एकता जरूरी: अरविंद

जिला पंचायत अध्यक्ष गुना अरविंद राधेश्याम धाकड़ ने समाज की एकता को समाज की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि समाज की प्रगति के लिए सभी को मिल-जुलकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपसी भाईचारा, सहयोग और एकजुटता से ही समाज को मजबूत बनाया जा सकता है। उन्होंने समाजजनों से आह्वान किया कि आपसी मतभेदों से ऊपर उठकर समाजहित को प्राथमिकता दें और हर परिस्थिति में एक-दूसरे का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता के साथ शिक्षा, संस्कार और युवाओं को आगे बढ़ाने पर ध्यान देना समय की आवश्यकता है।

संपादकीय

कूटनीतिक कमयाबी

भारत की कूटनीतिक सफलता की एक बानगी ब्रिक्स सम्मेलन में सामने आई है क्योंकि भारत इसका मेजबान भी है इसलिए सरकार के सारे कूटनीतिक प्रबंधन पर सभी की निगाहें जमी हुई थी लिहाजा ब्रिक्स के नई दिल्ली घोषणापत्र पर सहमति बनना इसलिए एक उपलब्धि और भारत का कूटनीतिक कद बढ़ाने वाली घटना है, क्योंकि यह माना जा रहा था कि सदस्य देशों और विशेष रूप से ईरान और सऊदी अरब एवं यूएई में मतभेदों के कारण ऐसा होना कठिन है।

इसके बाद भी भारत सभी देशों को साथ लाने में सफल रहा। इसके अलावा समिट में अमेरिका और उसके टैरिफ को लेकर मनमाने रवैया पर ब्रिक्स देशों की राय काबिले गौर है। पहले भी भारत अपनी अध्यक्षता वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भी सभी देशों के बीच सहमति बनाने में सफल रहा था, जबकि यूक्रेन युद्ध के कारण अमेरिका और यूरोप के देश रूस के विरुद्ध तीखे तेवर अपनाए हुए थे।

हालांकि यह बात भी सही है कि साझा घोषणापत्र में पश्चिम एशिया संकट को लेकर जो कुछ कहा गया, उसमें किसी देश का नाम नहीं लिया गया, लेकिन यह सामान्य बात नहीं कि अमेरिकी हमलों के जवाब में जो ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पर मिसाइलें दागता रहता है, वह भी साझा बयान जारी करने के लिए सहमत हुआ। एक और गौर तलब क्षण वह भी रहा जब ब्रिक्स सम्मेलन के चलते ईरान और यूएई के प्रतिनिधियों ने आपस में बात भी की। यानी भारत ने यह दिखाया कि उसमें एक दूसरे के खिलाफ खड़े देशों के बीच भी सहमति बनाने का कूटनीतिक कौशल है।

अपने इस कूटनीतिक कौशल के कारण ही भारत क्वाड का सदस्य है तो ब्रिक्स और एससीओ का भी। यह स्थिति भारत को खास मुकाम पर दिखती है।ब्रिक्स सम्मेलन में बनी सहमति इसका परिचायक है कि भारत सदस्य देशों के बीच यह भाव जगाने में सफल रहा कि विफल होते संयुक्त राष्ट्र के कारण यदि इस संगठन को सशक्त बनाना है तो उन्हें मतभेदों को किनारे कर आपसी सहयोग पर जोर देते हुए एकजुट होना होगा।

अच्छा होगा कि इस संगठन के सदस्य और सहयोगी देश यह समझें कि आपसी सहमति केवल कागज तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए। नई दिल्ली घोषणापत्र पर केवल ईरान, सऊदी अरब और यूएई को ही ध्यान नहीं देना होगा, बल्कि चीन को भी ऐसा ही करना होगा, क्योंकि इसमें पहलगाम हमले का उल्लेख करते हुए आतंकवाद पर दोहरा मानदंड अपनाने की प्रवृत्ति को रेखांकित किया गया है और चीन इस प्रवृत्ति का प्रदर्शन करता रहा है।घोषणापत्र की इन बातों पर चीन के साथ रूस को भी गौर करना होगा कि हर देश की संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए।

यदि ब्रिक्स देश अपने घोषणापत्र के प्रति सच्ची प्रतिबद्धता नहीं दिखाते तो फिर अन्य देशों और संगठनों से यह अपेक्षा नहीं कर सकते कि वे अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करें। बहरहाल ब्रिक्स को यह आत्मसात करने की सख्त जरूरत है कि घोषणापत्र पर सहमति बनाने से कहीं अधिक आवश्यक उसके अनुरूप कार्य करना है इससे ब्रिक्स अपने उद्देश्यों में सफल होगा तथा पश्चिमी देशों की मनमानियां पर भी अंकुश लगा सकेगा।

सुविचार

सन्यास हृदय की एक दशा का नाम है, किसी ऊपरी नियम या वेशभूषा का नहीं।



ज्ञानवाणी

मोम का शेर

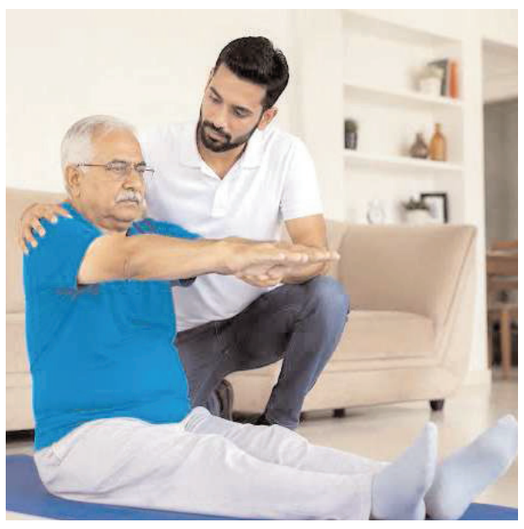


सर्दियों के दिन थे, अकबर का दरबार लगा हुआ था। तभी फारस के राजा का भेजा एक दूत दरबार में उपस्थित हुआ। राजा को नीचा दिखाने के लिए फारस के राजा ने मोम से बना शेर का एक पुतला बनवाया था और उसे पिंजरे में बंद कर के दूत के हाथों अकबर को भिजवाया, और उन्हे चुनौती दी की इस शेर को पिंजरा खोले बिना बाहर निकाल कर दिखाएं। बीरबल की अनुपस्थिति के कारण अकबर सोच पड़ गए कि इस समस्या को कैसे सुलझाया जाए।

अकबर ने सोचा कि अगर दी हुई चुनौती पार नहीं की गयी तो जग हंसायी होगी। इतने में ही परम चतुर, ज्ञान गुणवान बीरबल आ गए। और उन्होने मामला हाथ में ले लिया। बीरबल ने एक गरम सरिया मंगवाया और पिंजरे में कैद मोम के शेर को पिंजरे में ही पिघला डाला। देखते-देखते मोम पिघल कर बाहर निकल गया । अकबर अपने सलाहकार बीरबल की इस चतुराई से काफी प्रसन्न हुए और फारस के राजा ने फिर कभी अकबर को चुनौती नहीं दी।

सेहत

फिजियोथेरेपी बचा सकती है दिल के रोगों से



हर साल 8 सितंबर को दुनिया में विश्व फिजियोथेरेपी दिवस मनाया जाता है, इसका मकसद लोगों को फिजियोथेरेपी के फायदों के बारे में जागरूक करना रहता है, इस बार इस दिन की थीम हार्ट डिजीज और स्ट्रोक की रोकथाम, प्रबंधन और रिहैबिलिटेशन में फिजियोथेरेपी की भूमिका पर केंद्रित रही है। जानकारों का मानना है कि फिजियोथेरेपी केवल हड्डियों की बीमारियों के लिए नहीं बल्कि ये स्ट्रोक के बाद रिहैबिलिटेशन के लिए भी जरूरी प्रक्रिया है।फिजियोथेरेपी को लोग अक्सर केवल कमर, घुटने या कंधे के दर्द से जोड़कर देखते हैं, लेकिन इसका दायरा इससे कहीं बड़ा है, नियमित और सही तरीके से की गई फिजियोथेरेपी हार्ट डिजीज से भी बचा लेती है और अगर किसी व्यक्ति को स्ट्रोक आ जाता है तो रिहैबिलिटेशन के लिए भी फिजियोथेरेपी जरूरी रहती है, इसकी मदद से स्ट्रोक के बाद आने वाली परेशानी को काबू में किया जा सकता है। दरअसल, स्ट्रोक के बाद मरीज में हाथ-पैर की कमजोरी, चलने में परेशानी, संतुलन बिगड़ना और रोजमर्रा के काम करने में दिक्कत देखी जाती है।

चिकित्सकों के मुताबिक मरीज की स्थिति के अनुरूप फिजियोथेरेपी और रिहैबिलिटेशन से मूवमेंट, बैलेंस बेहतर करने में मदद मिल सकती है, स्ट्रोक के बाद रिहैबिलिटेशन को केवल अस्पताल तक सीमित नहीं रखना चाहिए, मरीज और परिवार को घर पर भी सुरक्षित तरीके से एक्सरसाइज करनी जरूरी होती है। हालांकि आज के दौर में फिजियोथेरेपी भी तेजी से टेक्नोलॉजी का जोर बढ रहा है। सेंसर-बेस्ड मॉनिटरिंग, मोशन एनालिसिस, वियरेबल डिवाइस, डिजिटल एक्सरसाइज प्रोग्राम और रोबोटिक रिहैबिलिटेशन जैसी तकनीकें आ रही हैं।

डाक्टरों का कहना है कि सबसे बड़ी समस्या 'कम मूवमेंट वाली लाइफस्टाइल' है। ऑफिस में घंटों बैठना, स्क्रीन टाइम बढ़ना और एक्सरसाइज की कमी शरीर को धीरे-धीरे कमजोर कर रही है लिहाजा हर उम्र के व्यक्ति के लिए एक्सरसाइज करना जरूरी हो चली है। इसका सबसे बड़ा फायदा ये है कि हार्ट डिजीज से लेकर कई बीमारियों से बचा सकती है।

हिन्दी : भाषा से बढ़कर एक सांस्कृतिक पहचान

महेन्द्र तिवारी

आधुनिक हिन्दी साहित्य ने भी समाज के बदलते स्वरूप को गहराई से अभिव्यक्त किया है। भारतेंदु हरिश्चंद्र ने हिन्दी को आधुनिक चेतना से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महावीर प्रसाद द्विवेदी ने भाषा को व्यवस्थित और परिष्कृत रूप देने में योगदान दिया। प्रेमचंद ने किसान, मजदूर, स्त्री, गरीब और शोषित वर्ग के जीवन को साहित्य के केंद्र में लाकर हिन्दी कथा साहित्य को नई दिशा दी। मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला और महादेवी वर्मा जैसे साहित्यकारों ने हिन्दी कविता को व्यापक ऊंचाई प्रदान की। आगे चलकर अनेक कहानीकारों, उपन्यासकारों, निबंधकारों और कवियों ने हिन्दी को समाज की बदलती संवेदनाओं का सशक्त माध्यम बनाया।



भारत विविधताओं का देश है। यहां अलग-अलग प्रदेश, बोलियां, वेशभूषाएं, खान-पान, लोक परंपराएं और भाषाएं हमारी सांस्कृतिक समृद्धि का परिचय देती हैं। इस विविधता के बीच हिन्दी ऐसी भाषा के रूप में सामने आती है, जिसने देश के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को आपस में जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिन्दी केवल विचारों को व्यक्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह भारतीय समाज की संवेदना, संस्कृति, साहित्य और जीवन मूल्यों को अभिव्यक्त करने वाली सशक्त भाषा भी है। प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को मनाया जाने वाला हिन्दी दिवस इसी भाषा के महत्व, उसके विकास और उसके सम्मान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का अवसर प्रदान करता है।

14 सितंबर का दिन हिन्दी के इतिहास में विशेष महत्व रखता है। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 में संघ की राजभाषा के संबंध में प्रावधान किया गया है। इसी ऐतिहासिक निर्णय की स्मृति में 14 सितंबर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है। हिन्दी के राजभाषा संबंधी संवैधानिक स्वरूप और उसके प्रयोग से जुड़े प्रावधानों को भारत सरकार के राजभाषा विभाग तथा अन्य सरकारी संस्थाओं द्वारा निरंतर आगे बढ़ाया जाता रहा है।

यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य को समझना आवश्यक है कि हिन्दी भारत की राष्ट्रभाषा नहीं, बल्कि संघ की राजभाषा है। भारतीय संविधान ने किसी एक भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं दिया है। भारत की भाषाई विविधता को देखते हुए संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को स्थान दिया गया है। इसलिए हिन्दी के सम्मान का अर्थ किसी दूसरी भारतीय भाषा को छोटा समझना नहीं हो सकता। हिन्दी का वास्तविक गौरव तभी बढ़ेगा, जब वह भारत की सभी भाषाओं और बोलियों के साथ सहयोग, सम्मान और समन्वय की भावना से आगे बढ़ेगी। हिन्दी का इतिहास बहुत पुराना और व्यापक है। संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश की दीर्घ परंपरा से विकसित होती हुई हिन्दी ने विभिन्न कालखंडों में अनेक रूप ग्रहण किए। मध्यकाल में संतों और भक्त कवियों ने लोकभाषाओं के माध्यम से जनमानस तक अपनी बात पहुंचाई। कबीर, तुलसीदास, सूरदास और मीरा जैसे रचनाकारों ने भाषा को केवल साहित्य का माध्यम नहीं रहने दिया, बल्कि उसे जनजीवन की चेतना से जोड़ दिया। उनकी रचनाओं ने यह सिद्ध किया कि किसी भाषा की शक्ति केवल उसके शब्द भंडार में नहीं होती, बल्कि उस भाषा में छिपी मानवीय संवेदना और समाज को जोड़ने की क्षमता में भी होती है।

आधुनिक हिन्दी साहित्य ने भी समाज के बदलते स्वरूप को गहराई से अभिव्यक्त किया है। भारतेंदु हरिश्चंद्र ने हिन्दी को आधुनिक चेतना से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महावीर प्रसाद द्विवेदी ने भाषा को व्यवस्थित और परिष्कृत रूप देने में योगदान दिया। प्रेमचंद ने किसान, मजदूर, स्त्री, गरीब और शोषित वर्ग के जीवन को साहित्य के केंद्र में लाकर हिन्दी कथा साहित्य को नई दिशा दी। मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला और महादेवी वर्मा जैसे साहित्यकारों ने हिन्दी कविता को व्यापक ऊंचाई प्रदान की। आगे चलकर अनेक कहानीकारों, उपन्यासकारों, निबंधकारों और कवियों ने हिन्दी को समाज की बदलती संवेदनाओं का सशक्त माध्यम बनाया। हिन्दी की सबसे बड़ी विशेषताओं में उसकी ग्रहणशीलता भी शामिल है। समय के साथ हिन्दी ने अनेक भारतीय भाषाओं और बोलियों से शब्द ग्रहण किए तथा अपने शब्द भंडार को समृद्ध बनाया। यही कारण है कि हिन्दी एक जीवंत भाषा के रूप में निरंतर बदलती रही है। भाषा यदि समय के साथ नहीं बदलती तो वह धीरे-धीरे जीवन से दूर हो जाती है। हिन्दी की शक्ति इसी में है कि वह नई परिस्थितियों, नए विचारों और नई सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को ढालने की क्षमता रखती है।

आज हिन्दी का विस्तार भारत की सीमाओं तक सीमित नहीं है। विश्व के अनेक देशों में हिन्दी पढ़ी, लिखी और बोली जाती है। प्रवासी भारतीयों ने भी हिन्दी को अपनी सांस्कृतिक पहचान से जोड़े रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हिन्दी साहित्य, भारतीय संस्कृति, चलचित्र, संगीत और धार्मिक साहित्य के माध्यम से हिन्दी की पहुंच विश्व के अनेक हिस्सों तक हुई है। 10 जनवरी को मनाया जाने वाला विश्व हिन्दी दिवस भी हिन्दी के अंतरराष्ट्रीय प्रचार और प्रसार की भावना से जुड़ा हुआ है। इस प्रकार 14 सितंबर का हिन्दी दिवस जहां भारत में हिन्दी के संवैधानिक और सामाजिक महत्व को रेखांकित करता है, वहीं विश्व हिन्दी दिवस हिन्दी की वैश्विक उपस्थिति की ओर ध्यान आकर्षित करता है। हिन्दी दिवस के अवसर पर विद्यालयों, महाविद्यालयों, सरकारी कार्यालयों और साहित्यिक संस्थाओं में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। निबंध लेखन, कविता पाठ, भाषण, वाद विवाद, प्रश्नोत्तरी, कहानी लेखन और साहित्यिक गोष्ठियों के माध्यम से हिन्दी के प्रति रुचि पैदा करने का प्रयास किया जाता है। सरकारी कार्यालयों में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित होती हैं। भारत सरकार का राजभाषा विभाग संघ के सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने तथा राजभाषा संबंधी नीतियों के क्रियान्वयन से जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व निभाता है।

लेकिन हिन्दी दिवस की सार्थकता केवल एक दिन आयोजित होने वाले समारोहों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यदि वर्ष भर सरकारी कामकाज, शिक्षा, व्यापार, विज्ञान, न्याय, तकनीक और सामान्य जीवन में हिन्दी का सहज और प्रभावी प्रयोग बढ़े, तभी हिन्दी दिवस का उद्देश्य वास्तविक रूप से पूरा होगा। केवल हिन्दी के सम्मान में भाषण देना पर्याप्त नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि हिन्दी में उच्च गुणवत्ता की पुस्तकें उपलब्ध हों, विद्यार्थियों को सरल और उपयोगी अध्ययन सामग्री मिले तथा विज्ञान और तकनीकी विषयों की जानकारी भी सहज हिन्दी में उपलब्ध कराई जाए। आज का युग तीव्र परिवर्तन का युग है। ज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में प्रतिदिन नई जानकारी सामने आ रही है। ऐसे समय में हिन्दी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह आधुनिक ज्ञान की भाषा कैसे बने। चिकित्सा, विज्ञान, अंतरिक्ष, विधि, अर्थशास्त्र, प्रशासन और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में हिन्दी में गुणवत्तापूर्ण सामग्री का विस्तार आवश्यक है। यदि विद्यार्थी अपनी भाषा में जटिल विषयों को समझ सकें तो शिक्षा अधिक सहज और प्रभावी बन सकती है। इसके लिए केवल अनुवाद पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि मौलिक हिन्दी लेखन को भी प्रोत्साहित करना होगा। हिन्दी के विकास की जिम्मेदारी केवल सरकार या साहित्यकारों की नहीं है। प्रत्येक हिन्दी भाषी और हिन्दी प्रेमी व्यक्ति इसमें अपनी भूमिका निभा सकता है। घर में बच्चों से हिन्दी में बातचीत करना, अच्छी हिन्दी की पुस्तकें पढ़ना, शुद्ध और सहज भाषा में लिखना, हिन्दी साहित्य को पढ़ने की आदत विकसित करना और सार्वजनिक जीवन में हिन्दी के सम्मानजनक प्रयोग को बढ़ावा देना छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम हैं। भाषा का भविष्य केवल सरकारी नीतियों से नहीं, बल्कि उसके बोलने और लिखने वालों के व्यवहार से तय होता है।

गणेशोत्सव : भक्ति से राष्ट्रचेतना और सामाजिक जिम्मेदारी तक

रमेश सर्राफ

भारत को पर्व-त्योहारों का देश कहा जाता है। यहां उत्सव केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं रहे, बल्कि उन्होंने समाज को जोड़ने, सांस्कृतिक चेतना जगाने और समय-समय पर सामाजिक बदलाव का रास्ता भी बनाया है। गणेश चतुर्थी ऐसा ही पर्व है, जिसने भक्ति के साथ सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना को भी मजबूत किया। भगवान गणेश बुद्धि, विवेक, शुभारंभ और विघ्नहर्ता के रूप में पूजे जाते हैं। यही कारण है कि गणेशोत्सव का संदेश केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन में सकारात्मकता, संयम और सामूहिक जिम्मेदारी से भी जुड़ा है।

2026 में गणेश चतुर्थी 14 सितंबर को मनाई जाएगी। देशभर में घरों और सार्वजनिक पंडालों में गणपति की स्थापना होगी। महाराष्ट्र से शुरू होकर व्यापक सार्वजनिक स्वरूप पाने वाला यह उत्सव आज देश के अनेक हिस्सों में बड़े उत्साह से मनाया जाता है।

घरों से सार्वजनिक उत्सव तक

गणेश पूजा की परंपरा प्राचीन है, लेकिन आधुनिक सार्वजनिक गणेशोत्सव का इतिहास महाराष्ट्र से जुड़ा है। 19वीं सदी के अंतिम दशक में पुणे में गणेशोत्सव को सार्वजनिक रूप मिलने लगा। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने इस उत्सव को व्यापक सामाजिक और राष्ट्रीय स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने गणेशोत्सव को ऐसा मंच बनाने का प्रयास किया, जहां समाज के विभिन्न वर्ग एक साथ आ सकें और सार्वजनिक विषयों पर संवाद कर सकें। उस दौर में अंग्रेजी शासन के खिलाफ जनचेतना पैदा करना आसान नहीं था। सार्वजनिक सभाओं और राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंधों के बीच धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन लोगों को एकत्र करने का माध्यम बने। गणेशोत्सव के पंडालों में धार्मिक कार्यक्रमों के साथ व्याख्यान, देशभक्ति गीत, नाटक और सामाजिक विषयों पर चर्चा होने लगी। इससे लोगों में राष्ट्रीय चेतना और सामूहिकता की भावना मजबूत हुई। तिलक की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि उन्होंने गणेशोत्सव को घर की चारदीवारी से निकालकर सार्वजनिक जीवन से जोड़ा। यह उत्सव धीरे-धीरे महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों और फिर देश के दूसरे हिस्सों तक पहुंचा। गणेशोत्सव ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लोगों को एक मंच पर आने का अवसर दिया। उस समय समाज जाति और सामाजिक विभाजन से भी जूझ रहा था। सार्वजनिक गणेशोत्सव ने इन दूरियों को कम करने की कोशिश की। उत्सव के माध्यम से लोगों में यह भावना विकसित हुई कि सामूहिक शक्ति किसी भी बड़े परिवर्तन का आधार बन सकती है। आज देश स्वतंत्र है। इसलिए गणेशोत्सव की भूमिका का संदर्भ भी बदल गया है। अब इसे राष्ट्रीय चेतना के साथ सामाजिक जिम्मेदारी और जनकल्याण से जोड़ने की जरूरत है। आज हमारे सामने अशिक्षा, बेरोजगारी, नशा, पर्यावरण प्रदूषण, जल संकट, सामाजिक तनाव और डिजिटल दुनिया से जुड़ी नई चुनौतियां हैं। गणेशोत्सव इन मुद्दों पर जनजागरण का प्रभावी माध्यम बन सकता है।



2026 का गणेशोत्सव क्या संदेश दे?

आज गणेशोत्सव पहले से कहीं अधिक भव्य हो गया है। विशाल प्रतिमाएं, आकर्षक पंडाल, विद्युत सज्जा और सांस्कृतिक कार्यक्रम उत्सव का हिस्सा बन चुके हैं। इसमें कला और रचनात्मकता की अपनी जगह है, लेकिन उत्सव की सार्थकता केवल भव्यता से तय नहीं हो सकती।

जरूरत इस बात की है कि हर गणेश मंडल कम से कम एक सामाजिक संकल्प ले। कोई मंडल रक्तदान शिविर आयोजित करे, कोई पौधरोपण अभियान चलाए, कोई जरूरतमंद बच्चों को पुस्तकें उपलब्ध कराए, कोई स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए तो कोई नशामुक्ति और स्वच्छता का संदेश दे।

यदि हजारों गणेश मंडल इस दिशा में आगे बढ़ें तो गणेशोत्सव केवल धार्मिक आयोजन न रहकर बड़े सामाजिक अभियान का रूप ले सकता है।

पर्यावरण संरक्षण भी जिम्मेदारी

गणेशोत्सव के साथ पर्यावरण संरक्षण का विषय आज विशेष महत्व रखता है। प्रतिमा निर्माण में मिट्टी और प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल, प्लास्टर ऑफ पेरिस तथा हानिकारक रसायनों से बचाव और निर्धारित स्थानों पर विसर्जन जैसे कदम जलस्रोतों को प्रदूषण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

2026 का गणेशोत्सव पर्यावरण-अनुकूल उत्सव का उदाहरण बन सकता है। छोटे और मिट्टी से बने गणपति, प्राकृतिक सजावट, प्लास्टिक से दूरी और विसर्जन के बाद स्वच्छता जैसे छोटे प्रयास सामूहिक रूप से बड़ा बदलाव ला सकते हैं। भगवान गणेश को बुद्धि और विवेक का देवता माना जाता है। इसलिए उनकी पूजा के साथ प्रकृति की रक्षा करना भी उसी विवेक का हिस्सा होना चाहिए।

डिजिटल युग में सामाजिक जुड़ाव

आज गणेशोत्सव सोशल मीडिया के दौर में पहुंच चुका है। आरती, पंडाल, सांस्कृतिक कार्यक्रम और विसर्जन के दृश्य कुछ ही क्षणों में हजारों लोगों तक पहुंच जाते हैं। डिजिटल माध्यम उत्सव की पहुंच बढ़ाने का प्रभावी साधन है, लेकिन वास्तविक सामाजिक जुड़ाव का स्थान नहीं ले सकता।

सोशल मीडिया पर शुभकामना संदेश देने के साथ किसी जरूरतमंद की मदद करना, बुजुर्गों का सम्मान करना, बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित करना और पड़ोस में सौहार्द बनाए रखना अधिक महत्वपूर्ण है।

उत्सव में हो भाईचारे की भावना

सार्वजनिक उत्सवों की सबसे बड़ी ताकत उनकी सामूहिकता है। गणेशोत्सव समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने वाला अवसर बन सकता है। आयोजन ऐसे हों, जिनमें सेवा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सद्भाव जैसे विषयों पर सभी की भागीदारी हो। प्रतिस्पर्धा यदि स्वस्थ रचनात्मकता तक सीमित रहे तो अच्छी बात है, लेकिन जब दिखावा, अनावश्यक खर्च या शोर उत्सव के मूल उद्देश्य पर हावी होने लगे तो आत्ममंथन जरूरी हो जाता है। गणेशोत्सव की सफलता इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि किस पंडाल की सजावट सबसे भव्य थी, बल्कि इससे कि उस आयोजन से समाज को क्या मिला।

तिलक की विरासत को नई दिशा

लोकमान्य तिलक के समय सार्वजनिक गणेशोत्सव का उद्देश्य लोगों को एक मंच पर लाना और उनमें राष्ट्रीय चेतना पैदा करना था। आज उस विरासत को नए समय की जरूरतों से जोड़ने की आवश्यकता है। आज राष्ट्रभक्ति केवल नारे लगाने तक सीमित नहीं हो सकती। ईमानदारी से काम करना, कानून का सम्मान करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, पर्यावरण बचाना, जरूरतमंद की सहायता करना और समाज में सद्भाव बनाए रखना भी राष्ट्रनिर्माण का हिस्सा है। इसलिए 2026 का गणेशोत्सव एक नए संकल्प का पर्व बन सकता है– भक्ति के साथ सेवा, उत्सव के साथ जिम्मेदारी और आस्था के साथ सामाजिक एकता। गणेशोत्सव की वास्तविक शक्ति उसकी भव्यता में नहीं, बल्कि उस सामूहिक भावना में है जो लोगों को एक-दूसरे के करीब लाती है। यदि इस पर्व से किसी जरूरतमंद को सहायता मिले, किसी बच्चे को शिक्षा की राह मिले, किसी युवा को नशे से दूर रहने की प्रेरणा मिले, कोई पौधा लगाया जाए और समाज में भाईचारा बढ़े, तो यही गणेश पूजा की सबसे बड़ी सार्थकता होगी।

हरतालिका तीज पर सुहागिनें रखेंगी निर्जला व्रत

- शिव-पार्वती बनाकर होती है पूजा
- दांपत्य जीवन की कामना से निर्जला व्रत रखेंगी

रायसेन (नि.प्र.)

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर मनाया जाने वाला हरतालिका तीज का पर्व इस वर्ष 14 सितंबर, सोमवार को श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाएगा.

धार्मिक मान्यता के अनुसार हरतालिका तीज भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन का प्रतीक है. इस अवसर पर सुहागिन महिलाएं पति की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी दांपत्य जीवन की कामना से निर्जला व्रत रखेंगी। वहीं अविवाहित कन्याएं मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए व्रत करती हैं.

पंचांग के अनुसार तृतीया तिथि 13 सितंबर की सुबह 7.08 बजे से शुरू होकर 14 सितंबर की सुबह 7.06 बजे तक रहेगी. उदयातिथि के अनुसार हरतालिका तीज का व्रत 14 सितंबर को रखा जाएगा। पर्व को महिलाओं के तप, त्याग, प्रेम और अटूट संकल्प से जोड़कर देखा जाता है.



माता पार्वती ने की थी कठोर तपस्या

पौराणिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए वर्षों तक कठोर तपस्या की थी. उन्होंने अन्न और जल का त्याग कर महादेव की आराधना की। माता पार्वती की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया. इसी मान्यता की स्मृति में महिलाएं हरतालिका तीज का व्रत श्रद्धा और नियमपूर्वक रखती हैं.

मिट्टी के शिव-पार्वती बनाकर होता है पूजन

हरतालिका तीज पर मिट्टी या बालू से भगवान शिव, माता पार्वती और गणेश की प्रतिमा अथवा शिवलिंग बनाने की परंपरा है. पूजा स्थल को शुद्ध कर चौकी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाया जाता है. इसके बाद भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा, फूल, अक्षत और फल अर्पित किए जाते हैं. माता पार्वती को सिंदूर, मेहंदी, चूड़ी, चुनरी सहित सुहाग की सामग्री चढ़ाई जाती है.

पूजन के बाद हरतालिका तीज की कथा का श्रवण कर भगवान शिव-पार्वती की आरती की जाती है. कई स्थानों पर महिलाएं रातभर जागरण कर भजन-कीर्तन भी करती हैं. अगले दिन सुबह पूजा-अर्चना और प्रसाद के बाद व्रत का पारण किया जाता है.

तेज रोशनी से अनियंत्रित स्विफ्ट खाई में गिरी

- चालक की आंखों के आगे छाया अंधेरा
- तीन पलटी के बाद भी युवक सुरक्षित बचा

रायसेन (नि.प्र.)

भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे 18 पर रविवार रात एक बड़ा हादसा होने से टल गया. रेलवे ओवरब्रिज आरओबी के पास तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 15 फीट नीचे खाई में जा गिरी. दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार दो से तीन बार पलटी खाते हुए पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन गनीमत यह रही कि कार चला रहे युवक को खरोंच तक नहीं आई.

ब्लाइंड स्पॉट बना रहीं सफेद लाइटें- ग्रामीणों का कहना है कि रात के समय भोपाल विदिशा स्टेट हाइवे 18 और नेशनल हाइवे 146 पर सफर करना सबसे ज्यादा जोखिम भरा हो गया है. जब सामने से आ रही कार, भारी बस या ट्रक की हाई-बीम सफेद एलईडी लाइट सीधे आंखों पर पड़ती है, तो चालक को कुछ सेकंड के लिए सामने का कुछ भी दिखाई नहीं देता. सलामतपुर और दीवानगंज के वाहन चालकों ने बताया कि सामने से आ रहे वाहनों की सफेद लाइट इतनी तेज होती है कि हमारी आंखों के आगे पूरी तरह अंधेरा छा जाता है. जब तक आंखें सामान्य होती हैं, तब तक वाहन अनियंत्रित हो जाता है. इसके कारण दोपहिया वाहन चालक सबसे ज्यादा सड़कों से नीचे उतरकर गिर रहे हैं.

आंखों के रेटिना को पहुंच रहा नुकसान-इस मामले में स्वास्थ्य विशेषज्ञों का भी मानना है कि सफेद एलईडी लाइटों से निकलने वाली 'ब्लू रेज' और अत्यधिक ल्यूमेन की रोशनी इंसानी आंखों के लिए बेहद हानिकारक है. रात के समय जब आंखें अंधेरे के अनुकूल होती हैं, तब अचानक इस तेज रोशनी के संपर्क में आने से आंखों के रेटिना को भारी नुकसान पहुंचता है।लगातार इस स्थिति का सामना करने वाले चालकों में ड्राइ आई (आंखों का सूखापन), सिरदर्द, आंखों में जलन और समय से पहले रोशनी कम होने जैसी गंभीर बीमारियां देखने को मिल रही हैं.



ट्रक की तेज रोशनी से बिगड़ा संतुलन

प्राप्त जानकारी के अनुसार संदीप धाकड़ अपनी स्विफ्ट कार एमपी04 वाईएस 4847 से रायसेन से गीदगढ़ गांव जा रहे थे. शनिवार रविवार रात करीब 12 बजे जैसे ही वह सलामतपुर आरओबी के पास पहुंचे, सामने से आ रहे एक भारी ट्रक की हाई-बीम सफेद एलईडी लाइट सीधे उनकी आंखों पर पड़ी. रोशनी इतनी तीव्र थी कि चालक को कुछ सेकंड के लिए सड़क पर देखना पूरी तरह बंद हो गया. वाहन पर से नियंत्रण छूटने के कारण तेज रफ्तार कार लहराते हुए सड़क किनारे 15 फीट गहरी खाई में जा गिरी. हादसे की खबर मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई. संदीप को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिसे ग्रामीण चमत्कार मान रहे हैं.

हाईवे पर लगा आधे घंटे का जाम-

घटना के बाद कार रातभर खाई में फंसी रही। रविवार सुबह करीब 9 बजे कार को निकालने के लिए क्रेन बुलाई गई. क्रेन के हाईवे पर खड़े होकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने के कारण भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे 18 पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। लगभग 30 मिनट तक चले इस कार्य के दौरान हाईवे पर दोनों ओर (भोपाल से विदिशा और विदिशा से भोपाल) वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं. सुबह के समय यात्रियों और दैनिक यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा. क्रेन द्वारा क्षतिग्रस्त कार को खाई से बाहर निकाले जाने के बाद पुलिस व स्थानीय लोगों की मदद से यातायात बहाल कराया जा सका.

इनका कहना है

स्थानीय निवासिय फ़ैज़ जाफरी, कैलाश गोस्वामी, कपिल साहू, दीपक अहिरवार और हसन मंसूरी ने प्रशासन और यातायात पुलिस से मांग की है कि हाईवे पर अवैध और अत्यधिक तेज रोशनी वाली लाइटों का उपयोग करने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त चेकिंग अभियान चलाकर दंडात्मक कार्रवाई की जाए.

सिलवानी में संघ का युवा सम्मेलन

- जुटे सैकड़ों स्वयंसेवक
- नागरिक अनुशासन पर युवाओं से संवाद

रायसेन (नि.प्र.) **राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खंड सिलवानी द्वारा युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया. जिसमें सिलवानी के नगरीय व ग्रामीण अंचलों से सैकड़ों की संख्या में स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण हुआ.**

कार्यक्रम में सर्वप्रथम संघ की एक घंटे की शाखा लगी. जिसमें स्वयंसेवकों खेल, बौद्धिक विकास, मानसिक विकास, गीत, अमृतवचन और सुभाषित के साथ एक घंटे की शाखा का कार्यक्रम संपन्न हुआ. तत्पश्चात् युवा सम्मेलन के निमित्त युवाओं से संवाद व उद्बोधन का क्रम चालू हुआ. जिसमें सामूहिक गीत को गुनगुनाकर स्वयंसेवकों ने सामूहिकता का परिचय दिया.



इस अवसर पर मुख्य वक्ता विदिशा विभाग के सह विभाग प्रचारक सुधांशु ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण और सामाजिक कार्यों में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने आगे कहा कि अपने घर की चार दीवारी के अन्दर भाषा, भूषा, भजन, भोजन, भ्रमण अपना ही होना चाहिए.

एक नजर में

बेगमगंज - विदिशा मार्ग दो दिन से बंद

रायसेन (नि.प्र.) .पिछले 24 घण्टे में क्षेत्र में हुई अनवरत वर्षा ने एक बार फिर से बेगमगंज - विदिशा मार्ग बंद हो गया है. शुक्रवार -शनिवार की रात अचानक हुई तेज वर्षा से नदी -नाले उफान पर आ गए .जिसके कारण नगर के माला फाटक से बेगमगंज से हैदरगढ़ - ग्यारसपुर - विदिशा को जोड़ने वाला एक मात्र मार्ग भी बीना नदी के मढ़िया डेम के प्राय: सभी गेट बंद होने और नदी में जलभराव से उफान पर आने वो भी शनिवार की सुबह से बंद हो गया है जो आज रविवार को भी बंद रहा. इस मार्ग से जान जोखिम में डालकर निकलने वाले दुस्साहसी युवकों को जबरन वाहन निकालने से रोकने के लिए वहां तैनात किए गए पुलिसकर्मियों को सख्ती से रोकना पड़ा .आवागमन के लिए एकमात्र बचे माला फाटक -,ईदगाह मार्ग पर भी दो दिन से जलभराव के कारण बेगमगंज या , हैदरगढ़ , धामनोद , मानोरा , ग्यारसपुर एवं विदिशा से आने -जाने वाले मार्ग को अवरुद्ध कर दिया है. बेगमगंज बाजार अथवा कृषि मंडी से जुड़े किसानों अथवा लोगों को अब राहतगढ़ या गढ़ी -गैरतगंज से 30 किमी ज्यादा चक्कर लगाकर आना पड़ रहा है. अचानक बाढ़ जैसे हालात निर्मित होते ही प्रशासन ने तत्काल मढ़िया डेम एसडीओ को सचेत करते हुए डेम के गेट खुलवाए तो आज रविवार से नदिया में जलभराव सिकुड़ने लगा है ओर जलभराव से दुबे मार्गो से जलस्तर कम होने लगा है जो आज शाम तक मार्ग खुलने की उम्मीद जताई जा रही है.





30 सेवानिवृत्त शिक्षक -शिक्षिकाओं का हुआ सम्मान

रायसेन (नि.प्र.) नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा विभाग में लगातार अपनी सेवाएं देकर सेवानिवृत्त होने वाले 30 शिक्षक -शिक्षिकाओं का आज मप्र राज्य कर्मचारी संघ द्वारा सांदीपनि विद्यालय सभागार में समारोहपूर्वक सम्मानित किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तहसीलदार प्रमोद उइके , विशेष अतिथि नायब तहसीलदार विक्रम सिंह रहे जबकि अध्यक्षता प्राचार्य बीईओ राजेंदर श्रीवास्तव ने की. शिक्षक- शिक्षिकाओं में कोमल प्रसाद नायक , अनिल रावत, अमर सिंह राजपूत , श्रीमती मीना मिश्रा , सुनीता जैन , बहादुर सिंह ठाकुर , ओपी शर्मा , कमल जैन, मानसिंह लोधी , माया शाक्य , देवी सिंह जाट , लाल जी शर्मा , विजय प्रजापति , हरिशंकर गुप्ता , पुष्पा सोनी , छाया सोनी , एमएल बघेल , अरुण रैकवार , अंजुम आरा , बलराम हजारी , गुलाब राजपूत , रफिया बेगम , मोहनलाल कुशवाहा , राजेश कुमार पांडे , लाल साहब ठाकुर , रुक्मिणी देवी सोनी ,मलखान , इंदर सिंह यादव , राजेश भोई इत्यादि का प्रशस्ति पत्र, शॉल , श्रीफल एवं पुष्प मालाओं से सम्मानित किया गया.

वहीं कार्यक्रम के अतिथियों तहसीलदार प्रमोद उइके , नायब तहसीलदार विक्रम सिंह , बीईओ राजेंद्र श्रीवास्तव , सुल्तानगंज प्राचार्य राकेश सोनी , अशोक शर्मा एवं मीडियाकर्मियों में सईद नादां एडवोकेट, हरि साहू , राजीव दुबे , राहुल अहिरवार, विशाल शिल्पकार का भी मप्र राज्य कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों के द्वारा शॉल श्रीफल , पुष्प मालाओं से सम्मानित किया गया.

कार्यक्रम को सेवानिवृत्त शिक्षक राजेंद्र पांडे ने संबोधन के साथ एक गीत प्रस्तुत किया एवं मानसिंह लोधी , अशोक शर्मा , राकेश सोनी ,राजेंद्र श्रीवास्तव , विक्रम सिंह , प्रमोद उइके इत्यादि ने सभी पूर्व एवं वर्तमान शिक्षकों का शाब्दिक सम्मान करते हुए शिक्षकों की महिमा का बखान करते हुए नमन किया.

बिना बाढ़ के छलनी हुईं सड़कें, जगह-जगह गड्ढे



रायसेन (नि.प्र.)

बिना बाढ़ और अतिवृष्टि के ही सिलवानी तहसील में सड़कों की हालत बदहाल हो गई है. नगर के अंदरूनी मार्गों से लेकर प्रमुख स्टेट हाईवे तक जगह-जगह दो से तीन फीट गहरे गड्ढे हो गए हैं.

सड़कों की स्थिति देखकर ऐसा लगता है, जैसे यहां से बाढ़ और मूसलाधार बारिश गुजर चुकी हो. बदहाल सड़कों के कारण वाहन चालकों को परेशानी के साथ दुर्घटना का खतरा भी बना हुआ है. वहीं, सड़क निर्माण की गुणवत्ता और समय पर रखरखाव को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं.

सिलवानी से उदयपुरा तक स्टेट हाईवे-44 के करीब 28 किलोमीटर हिस्से में स्थानीय लोगों के अनुसार 300 से अधिक बड़े गड्ढे हो चुके हैं. कई जगह इनकी गहराई दो से तीन फीट तक है. छोटे-बड़े अनगिनत गड्ढों के बीच से वाहन निकालना चालकों के लिए मुश्किल हो रहा है.

रात के समय गड्ढे दिखाई नहीं देने से दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है. दोपहिया वाहन चालकों के लिए स्थिति सबसे ज्यादा जोखिम भरी बनी हुई है. गाडरवारा स्टेट हाईवे-44 पर उचेरा-जमुनियां के आसपास सड़क पर एक से दो फीट तक गहरे गड्ढे हो गए हैं.

इनसे बचने के प्रयास में कई बार दोपहिया चालक संतुलन खो देते हैं. चार पहिया वाहन भी गड्ढों से बचने के लिए सड़क के किनारे तक पहुंच जाते हैं.

मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल को बांधा रक्षा सूत्र

- हाथीडोल गांव में रक्षाबंधन महोत्सव
- बच्चों ने मंत्री के साथ खिंचवाई तस्वीरें

रायसेन (नि.प्र.) रक्षाबंधन महोत्सव के अवसर पर उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र के हाथीडोल गांव में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में सैकड़ों आदिवासी बहनों ने प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल को रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया. बहनों ने मंत्री को राखी बांधकर उनके स्वस्थ और सुखी जीवन की कामना की. रक्षा सूत्र बंधवाने के बाद मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने बहनों को उपहार स्वरूप साड़ियां भेंट कीं. उन्होंने कहा कि बहनों का स्नेह और आशीर्वाद उनके लिए महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा कि भाई के रूप में वे हमेशा बहनों की सेवा और सहयोग के लिए उपलब्ध रहेंगे. आदिवासी समाज के बालक-बालिकाओं में भी खासा उत्साह नजर आया. बच्चों ने मंत्री के साथ तस्वीरें खिंचवाईं. मंत्री के साथ फोटो खिंचवाने को लेकर बच्चे काफी उत्साहित और प्रसन्न नजर आए.



दो दिन से किसान गायब

बेगमगंज , 13 सितंबर .नगर की स्टेट बैंक कॉलोनी में निवासरत एक किसान पिछले दो दिन से लापता हैं. जिनकी गुमशुदगी परिजनों द्वारा दर्ज कराए जाने के बाद से पुलिस सरगर्मी से उनकी तलाश में जुट गई है. ? पुलिस सूत्रों के अनुसार ग्राम सांवली निवासी 50 वर्षीय प्रमोद राय अपने परिवार के साथ स्टेट बैंक कॉलोनी में मकान बनाकर निवासरत हैं. कल शनिवार को बेगमगंज वाले घर से अपना मोबाइल छोड़कर अचानक कहीं चले गए .

बारिश थमी तो वायरल ने पसारे पांव

- 3 से 5 दिन तक नहीं उतर रहा बुखार
- ग्रामीण इलाकों में तेजी से बढ़ रहे मरीज

रायसेन (नि.प्र.) क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश पर ब्रेक लगते ही मौसम के मिजाज में अचानक बदलाव आ गया है. बारिश थमने के बाद खिली धूप और उमस ने मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ा दिया है. वर्तमान में घर-घर वायरल फीवर, सर्दी-जुकाम, खांसी और बदन दर्द के मरीज देखने को मिल रहे हैं. स्थिति यह है कि बुखार भले ही 3 से 5 दिन में उतर रहा हो, लेकिन उसके बाद भी मरीजों को हफ्तों तक अत्यधिक कमजोरी, चक्कर आने और सूखी खांसी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है.



रात में ठंडक बनी बीमारी का मुख्य कारण- स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, मौसम में आ रहा उतार-चढ़ाव ही इस समय लोगों को तेजी से बीमार कर रहा है। दिन के समय तेज धूप और चिपचिपी उमस रहती है, वहीं देर रात और तड़के तापमान गिर जाने से ठंडक का अहसास होता है. तापमान का यह अचानक अंतर शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को प्रभावित कर रहा है, जिससे वायरल इंफेक्शन तेजी से फैल रहा है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी इसकी चपेट में आ रहे हैं. अस्पतालों की ओपीडी फुल, स्तिथी बिगड़ने पर सिविल अस्पताल में करने पड़ रहे रेफर--

स्वास्थ्य केंद्र की ओपीडी में रोजाना मरीजों की लंबी कतारें लग रही हैं.

बदहाली 12 महीने में 100 हादसे सुरक्षा इंतजाम नाकाफी

हादसों से भोपाल-विदिशा हाईवे बना खूनी मार्ग

रायसेन (नि.प्र.)

भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे-18 पर तेज रफ्तार और सड़क किनारे खड़े भारी वाहनों के कारण हादसों का सिलसिला थम नहीं रहा है. शनिवार रात करीब 9 से 10 बजे के बीच देहरी और बालमपुर गांव के बीच कंटेनर ने बाइक सवार भाई-बहन को टक्कर मार दी.

हादसे में देहरी निवासी अनिल भील और उनकी बहन घायल हो गए। दोनों बालमपुर से इलाज कराकर बाइक से अपने गांव लौट रहे थे. जानकारी के अनुसार, विदिशा की ओर से भोपाल जा रहे कंटेनर क्रमांक एमएच 04 एलवाई 7256 ने बाइक को टक्कर मारी. टक्कर के बाद बाइक अनियंत्रित हो गई और दोनों सड़क पर गिर पड़े। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों ने दोनों को संभाला। गनीमत रही कि उन्हें गंभीर चोटें नहीं आईं.



सड़क के बीच खड़े रहते हैं ट्रक-कंटेनर- स्थानीय लोगों का आरोप है कि स्टेट हाईवे-18 और एनएच-146 पर बालमपुर घाटी से लेकर भदभदा, देहरी, दीवानगंज, कुल्हाड़िया, बेरखेड़ी चौराहा, सलामतपुर, त्रिमूर्ति चौराहा, ढकना चौराहा और आमखेड़ा तक सड़क के किनारे और कई जगह सड़क के बीच भारी वाहन खड़े रहते हैं. रात में पर्याप्त रोशनी नहीं होने से ये वाहन छोटे वाहन चालकों को दिखाई नहीं देते और टक्कर का खतरा बढ़ जाता है. अवैध पार्किंग के कारण कई बार जाम की स्थिति भी बनती है.

12 महीने में 100 से अधिक हादसे- बालमपुर घाटी हादसों के लिहाज से सबसे संवेदनशील क्षेत्र बनी हुई है. स्थानीय लोगों के मुताबिक, पिछले 12 महीनों में यहां 100 से अधिक दुर्घटनाएं हो चुकी हैं. घाटी के अंधे मोड़ पर पहले लोहे की रेलिंग लगाई गई थी, लेकिन वाहनों की टक्कर से वह बार-बार टूट गई. इसके बाद एमपीआरडीसी ने रेडियम पट्टी लगी सीमेंट की बोरियां रखीं, लेकिन यह व्यवस्था भी करीब एक महीने में क्षतिग्रस्त हो गई.

फिलहाल सड़क चौड़ीकरण के साथ नई रेलिंग लगाई गई है, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि रफ्तार पर नियंत्रण और पर्याप्त सांकेतिक बोर्डों की कमी के कारण हादसों का खतरा बना हुआ है. सरपंच कालूराम मीणा और स्थानीय निवासी साजिद खान ने पुलिस और एमपीआरडीसी से तेज रफ्तार तथा अवैध पार्किंग पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है. घायल अनिल भील ने भी हाईवे पर खड़े भारी वाहनों और तेज रफ्तार पर सख्ती की मांग की.

सलामतपुर थाने में शांति समिति की बैठक संपन्न

- गणेश उत्सव को सौहार्द से मनाने की अपील

रायसेन (नि.प्र.)

.आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए शनिवार को सलामतपुर थाना परिसर में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. इस बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी श्यामराज सिंह सोमवंशी ने की.

बैठक का मुख्य उद्देश्य 14 सितंबर से प्रारंभ हो रहे गणेश उत्सव तथा अन्य आगामी त्यौहारों को क्षेत्र में पूर्ण शांति, सुरक्षा और आपसी भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराना रहा.

कार्यक्रम में क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे. प्रमुख रूप से हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष शेर सिंह राजपूत, मुस्लिम त्यौहार कमेटी अध्यक्ष मकसूद मंसूरी, बल्लभदास अग्रवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष रितेश अग्रवाल, देवेंद्र शर्मा, श्रवण मालवीय, किशन मीणा, प्रीतम मालवीय और रूपेश यादव शामिल हुए. इनके अलावा सलामतपुर कस्बे तथा आसपास के ग्रामीण इलाकों से आए वरिष्ठ नागरिक, नगर रक्षा समिति, ग्राम रक्षा समिति और विभिन्न गणेश झांकी समितियों के सदस्य भी बैठक में शामिल हुए.



पानी और सुरक्षा व्यवस्था के रखे सुझाव- उपस्थित नागरिकों एवं झांकी समिति के पदाधिकारियों ने त्यौहारों के दौरान यातायात, बिजली, पानी और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न सुझाव रखे. थाना प्रभारी श्यामराज सिंह सोमवंशी ने सभी की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और आश्वस्त किया कि बैठक में आए सभी महत्वपूर्ण सुझावों एवं समस्याओं को वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में लाकर शीघ्र समाधान कराया जाएगा.



ये है दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा जंगल

यहां हमेशा होती रहती है बारिश

अपनी धरती पर बड़े-बड़े जंगल हैं, जहां हजारों तरह के पेड़-पौधे हैं और हजारों तरह के जीव रहते हैं। ऐसा ही एक घना जंगल है अफ्रीका महादेश के मध्य में। कांगो देश से जुड़ा यह जंगल दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा जंगल है। इस जंगल में हमेशा बारिश होती रहती है, इस कारण इसे कांगो रेन फॉरेस्ट कहा जाता है।

- कांगो रेन फॉरेस्ट मध्य अफ्रीका में स्थित है। यह 23 लाख 45 हजार वर्ग किलोमीटर से भी अधिक क्षेत्र में फैला है। अपना देश भारत लगभग 32 लाख 87 हजार वर्ग किलोमीटर में फैला है। यानी अपने देश के लगभग 75 प्रतिशत क्षेत्र के बराबर है यह जंगल।
- यह रेन फॉरेस्ट दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा जंगल है, जहां खूब बारिश होती है। यहां औसतन 58 इंच बारिश हर वर्ष होती है। पहले नम्बर पर अमेजन रेनफॉरेस्ट है, जो 55 लाख वर्ग किलोमीटर में है। यानी अपने देश के क्षेत्रफल से डेढ़ गुना ज्यादा क्षेत्र में है अमेजन का जंगल।
- कांगो रेन फॉरेस्ट का ज्यादा हिस्सा कांगो देश में आता है, जो अफ्रीका महादेश के मध्य में स्थित है। इसे डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो कहा जाता है। संक्षेप में इस देश को डीआरसी भी कहा जाता है और डीआर कांगो भी।
- इस घने जंगल का काफी हिस्सा ऐसा है, जहां अब तक इंसान नहीं पहुंच पाया है। यहां तक कि इस जंगल में रहने वाले लोग भी काफी बड़े हिस्से तक नहीं पहुंच पाए हैं। इन घने हिस्सों में सूर्य की एक प्रतिशत रोशनी ही जमीन तक पहुंच पाती है।
- इस जंगल में रहने वाले लोगों को पिग्मी कहा जाता हैं। यहां के पुरुषों की औसत लंबाई 4 फीट 10 इंच होती है, जबकि महिलाओं की औसत लंबाई 4 फीट 1 इंच होती है।
- इस जंगल में पांच नेशनल पार्क हैं, जिन्हें यूएन विश्व धरोहर का दर्जा प्राप्त है। यानी यह जंगल दुनिया भर के लिए बहुत महत्व रखता है।
- इस जंगल के बीच से कांगो नदी निकलती है, जिसकी लंबाई 4700 किलोमीटर है। यह नदी कांगो देश के अलावा कई और देशों से होकर गुजरती है। इसे दुनिया की सबसे गहरी नदी का दर्जा प्राप्त है।
- इस जंगल में 2000 से भी अधिक तरह के जीव रहते हैं। इनमें 450 से अधिक ऐसे जीव रहते हैं, जो अपने बच्चों को दूध पिलाते हैं। 300 से अधिक रेंगने वाले जीव रहते हैं, जैसे कीड़े-मकोड़े, सांप आदि। 200 से अधिक तरह के ऐसे जीव रहते हैं, जो पानी और उसके बाहर दोनों जगह रह सकते हैं। एक हजार से अधिक तरह की चिड़ियां इस जंगल में रहती हैं।
- इस जंगल को दुनिया का अकेला जंगल माना जाता है, जहां तीनों तरह के गुरिल्ला रहते हैं। इस जंगल में बोनोबो भी रहते हैं, जिनके बारे में कहा और माना जाता है कि यह हमसे सबसे अधिक मिलता-जुलता है।
- यह जंगल 11 हजार से भी अधिक तरह के पौधों का घर है। इनमें से एक हजार से भी अधिक प्लांट सिर्फ इसी जंगल में होते हैं।





इस सेंक्चुरी में संरक्षित रखे जाते हैं गधे

तुमने बाघ, शेर, चिड़ियों और गैंडों को बचाने के लिए, उन्हें सुरक्षित रखने के लिए सेंक्चुरी बनाने का बात तो सुनी होगी! पर क्या तुम्हें पता है कि भारत में एक ऐसी सेंक्चुरी है, जो जंगली गधों के लिए संरक्षित है? यह सेंक्चुरी बनाई गई है गुजरात के कच्छ में। यह इंडियन वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी करीब पांच हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली हुई है और इसीलिए यह भारत की सबसे बड़ी वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी है। गुजरात में इन जंगली गधों को घुड़खर कहा जाता है। ये कद में आम गधों से ऊंचे होते हैं। ये कच्छ में मिलने वाले घास और पेड़ों के पत्ते आदि खाकर अपना गुजारा करते हैं। यह जानकर तुम्हें हैरानी होगी कि ये जंगली गधें 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकते हैं। पहली बार 1940 में जब इन गधों की गिनती कराई गई, तब ये देश भर में साढ़े तीन हजार से ज्यादा की संख्या में थे। परंतु 20 साल के अंदर ही उनकी संख्या घटकर केवल साढ़े तीन सौ रह गई। इसके बाद इन्हें बचाने के लिए सैंक्चुरी बनाने का फैसला किया गया। फिर 1972 में यह बनकर तैयार हुई। आज इन घुड़खर की संख्या अच्छी-खासी है।

पाजामा पहनते हैं यहां के गधे

फ्रांस के सेंट मार्टिन हार्बर पर गधों को पाजामा पहनाने का अनोखा प्रचलन है। यहां हर साल बहुत से देशी-विदेशी सैलानी आते हैं। सबके आकर्षण का केंद्र होते हैं गधे, जो रंग-बिरंगे सूती कपड़े के पाजामे पहने होते हैं। बच्चे इन गधों पर ठीक वैसे ही सवारी करते हैं, जैसे घोड़ों पर की जाती है। दरअसल इन गधों को पाजामा पहनाने की प्रथा इसलिए शुरू की गई, क्योंकि यहां की नमकीन दलदली जमीन पर मक्खी और मच्छर ज्यादा हैं। गधों को उनके काटने से बचाने के लिए उन्हें पाजामा पहनाया जाता है।



चीनू और पोपू की शरारत

चीनू और पोपू चौथी क्लास में पढ़ते थे, लेकिन थे अव्वल दर्जे के शरारती। ये दोनों कहीं पर भी कोई शरारत का मौका नहीं छोड़ते थे। अगर कोई उन्हें कहीं जाने का सीधा रास्ता पूछता तो वे उसे उल्टा रास्ता बता देते। अगर कोई फल वाला गुजरता तो वे उसे बातों में लगाकर उसके फल गायब कर देते। अपनी क्लास में भी वे खूब शरारत करते थे।

एक दिन रिक्कू क्लास में यूनीफॉर्म की काले रंग की नई पेंट पहनकर आया और चीनू को शरारत सूझी। वह पोपू से बोला- 'आज रिक्कू की पैंट ढीली करते हैं। आज यह नई पेंट पहनकर बहुत स्मार्ट समझ रहा है अपने आपको।' पोपू बोला- 'तो क्या करना है?' चीनू ने कहा- 'देखते जाओ मैं क्या करता हूं।' रिक्कू इंटरवल के समय अपनी सीट से उठकर कहीं बाहर गया हुआ था कि मौका देखते ही चीनू ने एक चॉक से उसकी सीट पर 'शरारती रिक्कू' लिख दिया। यह कुछ इस तरह उल्टे अक्षरों में लिखा कि छपकर सीधा लगे। इंटरवल खत्म होने के बाद सभी बच्चे अपनी-अपनी सीटों पर बैठ गये। रिक्कू भी अपनी सीट पर आकर बैठ गया।

क्लास टीचर ने ब्लैक बोर्ड पर कुछ लिखवाने के लिए रिक्कू को बुलाया। रिक्कू बड़े आराम से मुस्कराहट के साथ जब ब्लैक बोर्ड पर टीचर की बताई हुई बात लिखने लगा तो उसकी पैंट के पीछे 'शरारती रिक्कू' छपा देखकर सब बच्चे हंसने लगे। टीचर ने हंसने का कारण पूछा तो सभी ने रिक्कू की पेंट की तरफ इशारा किया। क्लास टीचर ने उसकी पेंट पर छपे शब्दों को पढ़ा तो बड़ी हैरान हुईं। पूछा कि ये किसकी शरारत है, तो सभी चुप थे।

रिक्कू बेचारा यह लिखा देखकर शर्मिंदगी महसूस कर रहा था। क्लास टीचर का ध्यान जब चीनू और पोपू की तरफ गया तो वे दोनों नीचे निगाहें किए हुए थे। क्लास टीचर समझ गई थीं कि यह इन्हीं दोनों की शरारत होगी। बाद में उन दोनों ने मान लिया कि यह उन्हीं की शरारत है। क्लास टीचर ने उन्हें वार्निंग (चेतावनी) देकर छोड़ दिया था।

कुछ दिन बाद चीनू और पोपू को फिर शरारत सूझी। रिक्कू का दोस्त मीकू रोजाना अच्छी-अच्छी स्वादिष्ट चीजें घर से अपने टिफिन में लेकर आता था। मीकू रिक्कू के साथ ही अपना खाना शेयर करता था और चीनू-पोपू को दिखा-दिखाकर खाना खाता था। पोपू ने चीनू से कहा कि अबकी बार मीकू को मजा चखाया जाए और यह मजा मैं चखाऊंगा। ये बड़ा हमें अपना खाना दिखा-दिखा कर खाता है और चिढ़ाता है। दोनों ने योजना बनाई कि इसके टिफिन में कुछ ऐसा रखा जाए कि इसे नानी याद आ जाए। दोनों आपस में विचार कर ही रहे थे कि क्या रखा जाए कि तभी पोपू के दिमाग में एक आइडिया आ गया।

उसने चीनू से कहा कि कल स्पोर्ट्स पीरियड में मीकू के टिफिन को खाली करके उसमें हरी-हरी घास भरनी है। दूसरे दिन अपनी योजना के अनुसार पोपू कुछ घास और दो-चार हरी मिर्चें ले आया।

इंटरवल से पहले स्पोर्ट्स पीरियड था तो सभी बच्चे प्लेग्राउंड में जाने लगे। मीकू भी रिक्कू के साथ चला गया। तभी पोपू और चीनू दोनों ने मिलकर उसका टिफिन खाली करके उसमें हरी मिर्च और घास भर दी और उसके टिफिन में जो भी चीजें थीं, सब जल्दी से खा-पीकर बराबर कर दीं। इसके बाद वे दोनों प्लेग्राउंड में चले गये। जब इंटरवल समाप्त हुआ तो सभी बच्चे क्लास में आकर अपने-अपने टिफिन खोलकर लंच करने लगे। चीनू और पोपू भी अपना लंच कर रहे थे। मीकू ने अपना टिफिन खोला तो उसे देखकर भौचक्का रह गया। सभी बच्चे उसके टिफिन में घास देखकर हंसने लगे और कमेंट करने लगे कि आज तो जानवरों का खाना लेकर आए हो।

इधर चीनू और पोपू बड़े मजे से कुछ इस तरह से लंच कर रहे थे, जैसे वे मीनू और रिक्कू को चिढ़ा रहे हों। उन्होंने कुछ सहानुभूति दिखाते हुए और आश्चर्य करके मीकू से कहा कि यह जरूर किसी की शरारत है। आओ आज हमारे साथ लंच कर लो। मीकू मन ही मन सोच रहा था कि यह किसकी शरारत हो सकती है, तभी रिक्कू ने इशारा किया कि यह इन दोनों का ही काम हो सकता है, क्योंकि इन्होंने मेरे साथ भी शरारत की थी।

जब क्लास टीचर क्लास में आईं तो बच्चों ने उन्हें मीकू के टिफिन में घास वाली बात बताई। टीचर पहले तो थोड़ा मुस्कराईं, फिर गुस्से में बोलीं- 'ये किसका काम है?' चीनू और पोपू क्लास टीचर के सामने तो बहुत सीधे बन जाते थे, लेकिन टीचर के जाते ही शरारतें शुरू कर देते थे। अभी दोनों एकदम शांत थे। टीचर की निगाह जब इन दोनों पर गई तो पहले तो उन्होंने कहा कि हमने यह काम नहीं किया, लेकिन जब टीचर ने सही बात बताने पर दबाव डाला तो उन्होंने अपनी गलती मान ली।

टीचर चीनू और पोपू को अपने कमरे में ले गईं और उनसे प्यार से पूछा कि वे ऐसी शरारतें क्यों करते हैं तो उन्होंने बताया- 'जो हमें किसी बात पर चिढ़ाता है तो बहुत बुरा लगता है। हम उससे बदला ले लेते हैं। मीकू जब रिक्कू के साथ लंच करता था तो अपना खाना शेयर कराने की बजाए हमें दिखा-दिखाकर खाता था और चिढ़ाता था। और रिक्कू जब भी कोई नई शर्ट या पेंट पहनता तो हमें चिढ़ाता और अपने को ऐसा शो करता जैसे कि वो क्लास का हीरो हो। हमें ये अच्छा नहीं लगा, इसीलिए हमने ऐसा किया।'

क्लास टीचर ने उन्हें बड़े प्यार से समझाया कि अब वे आगे से ऐसी कोई हरकत नहीं करें, जिससे किसी बच्चे को कोई परेशानी हो और क्लास में भी सब बच्चों को समझाया कि सभी बच्चे आपस में मिल-जुलकर रहें। कोई किसी को किसी बात पर न चिढ़ाए।

अगले दिन मीकू और रिक्कू इंटरवल में लंच करने लगे तो उन्होंने चीनू और पोपू को भी लंच शेयर करने के लिए बुला लिया। अब चारों साथ-साथ ही लंच करते थे और बड़े अच्छे दोस्त बन गये थे। चीनू और पोपू की शरारतें भी अब कुछ कम होने लगी थीं।



तीन मैचों की टी-20 सीरीज का पहला मैच आज

प्लेइंग इलेवन को लेकर भारत और अफगानिस्तान के सामने होगी दुविधा

भारत को सलामी जोड़ी के अलावा ऑलराउंडरों और गेंदबाजी आक्रमण तय करने में माथापच्ची करनी पड़ सकती है

नई दिल्ली

रविवार को दिल्ली में भारत और अफ़ग़ानिस्तान के बीच तीन टी-20 मैचों की सीरीज का आगाज होगा, अफ़ग़ानिस्तान इस सीरीज़ में भारत की मेज़बानी करेगा और सीरीज़ के तीनों मुक़ाबले दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे। जून में अफगानिस्तान को भारत में टेस्ट और तीन वनडे में हार का सामना करना पड़ा था लेकिन टी-20 सीरीज में अफ़ग़ानिस्तान भारत के सामने चुनौती पेश करने की पूरी कोशिश करेगा।



क्या नवीन और बुमराह की होगी वापसी?

अफ़ग़ानिस्तान के सामने चयन से जुड़ा सबसे बड़ा सवाल यही होगा कि वह ऑलराउंडर अजमतुल्लाह ओमरज़ाई की मौजूदगी में एक या दो तेज़ गेंदबाज़ों के साथ उतरेंगे? अगर वह सिर्फ़ एक प्रोपर तेज़ गेंदबाज़ के साथ उतरने का फ़ैसला करते हैं तो उन्हें फ़ज़लहक़ फ़ारूक़ी और वापसी कर रहे नवीन-उल-हक़ में से किसी एक को चुनना होगा। अगर अफ़ग़ानिस्तान इन दोनों तेज़ गेंदबाज़ों के साथ उतरता है तो उन्हें मुजीब उर रहमान और नूर अहमद में से किसी एक को बाहर करने का फ़ैसला करना पड़ सकता है।

अफ़ग़ानिस्तान (संभावित): 1 रहमनुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), 2 इब्राहिम ज़दरान (कप्तान), 3 गुलबदीन नईब, 4 सेदिकुल्लाह अतल, 5 दरवेश रसूली, 6 अज़मतुल्लाह ओमरज़ाई, 7 मोहम्मद नबी, 8 राशिद ख़ान, 9 मुजीब उर रहमान, 10 नूर ख़ान, 11 फ़ज़लहक़ फ़ारूक़ी/नवीन-उल-हक़।

भारत के सामने भी चयन से जुड़े कुछ बड़े सवाल होंगे। सबसे बड़ा सवाल तो यही होगा कि संजू सैमसन, वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा में से भारत किन दो के साथ पारी की शुरुआत कराने का फ़ैसला करेगा। शीर्ष क्रम के इतर भारत के पास ऑलराउंडरों की भी भरमार है, ऐसे में इस विभाग में भी भारत को माथापच्ची करनी पड़ सकती है। भारत के पास नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल और शिवम दुबे का विकल्प है। जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और अर्शदीप सिंह विशेषज्ञ गेंदबाज़ के तौर पर खेलेंगे लेकिन हर्षित राणा की अनुपस्थिति ने नंबर आठ से जुड़ा अहम सवाल खड़ा कर दिया है। क्या भारत एक विशेषज्ञ तेज़ गेंदबाज़ के साथ उतरेगा लेकिन इस स्थिति में वह गेंदबाज़ कुछ बड़े शॉट्स खेलने का विकल्प नहीं दे पाएगा। या फिर भारत एक बल्लेबाज़ी ऑलराउंडर के साथ जाने का फ़ैसला करेगा लेकिन ऐसी स्थिति में भारत उस खिलाड़ी से पूरे चार ओवर की गेंदबाज़ी की उम्मीद नहीं कर पाएगी।

भारत (संभावित): 1 और 2- अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी और संजू सैमसन में से कोई दो, 3 इशान किशन (विकेटकीपर), 4 श्रेयस अय्यर (कप्तान), 5 तिलक वर्मा, 6 अक्षर पटेल, 7 वॉशिंगटन सुंदर, 8 नीतीश कुमार रेड्डी, 9 अर्शदीप सिंह, 10 जसप्रीत बुमराह, 11 वरुण चक्रवर्ती।

पिच और परिस्थितियां

आईपीएल के इस सीज़न दिल्ली में उतनी तेज़ी से रन नहीं बने थे लेकिन इसके बावजूद दिल्ली में 9.63 रन प्रति ओवर की दर से रन बने थे। छोटी बाउंड्री को देखते हुए और पिच पर गति और सीज़न की शुरुआत में सीम मूवमेंट की कमी को देखते हुए यहां बड़े स्कोर बनने की उम्मीद की जा सकती है। मॉनसून उत्तर भारत से लगभग चला गया है, हालांकि अगर बादल छाए भी रहते हैं तो भी मैच के प्रभावित होने की उम्मीद नहीं है।

रोचक आंकड़े और तथ्य

-- अगर सूर्यवंशी को इस सीरीज़ में खेलने का मौक़ा मिलता है तो वह किसी पूर्ण सदस्य देश से भारत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन जाएंगे।

-- मोहम्मद नबी भारत में टी-20 खेलने वाले किसी पूर्ण सदस्य देश से सबसे उम्रदराज़ खिलाड़ी हैं।

-- श्रेयस ने बतौर कप्तान अपने पहले सभी नौ मुक़ाबलों में टॉस जीते हैं जो कि एक रिकॉर्ड है।

-- राशिद 200 टी-20 विकेट लेने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बनने से महज़ सात विकेट दूर हैं।

टीम इंडिया ने अफगानिस्तान के खिलाफ खेले अब तक 9 टी-20 मैच

टी20 इंटरनेशनल में भारत और अफगानिस्तान के बीच में अब तक 9 बार भिड़ंत देखने को मिली है, जिसमें टीम इंडिया का हेड टू हेड रिकॉर्ड काफी शानदार देखने को मिला है। भारतीय टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ 8 मैचों में जहां जीत हासिल की है तो वहीं एक मुकाबला रद्द रहा है।

घर पर अब तक तीन बार भारतीय टीम ने किया है अफगानिस्तान का सामना

भारतीय टीम ने टी-20 इंटरनेशनल में अफगानिस्तान के खिलाफ घर पर अब तक तीन टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं जिसमें तीनों को वह जीतने में कामयाब रही है। टीम इंडिया ने पिछली बार घर पर अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 फॉर्मेट में मुकाबला साल 2024 की शुरुआत में बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला था, जो टाई रहा था और 2 सुपर ओवर होने के बाद टीम इंडिया उसे जीतने में कामयाब रही थी।

शाम को सात बजे से शुरू होगा पहला मैच

टी-20 मैच होने के कारण ये बात तो पक्की है कि मैच शाम को ही होंगे। मैचों का जो वक्त निर्धारित किया गया है, वो शाम सात बजे का है। इससे आधे घंटे पहले यानी साढ़े छह बजे टॉस होगा। इसके बाद ठीक सात बजे पहली बाल डाली दी जाएगी।

अगर पूरे 20 ओवर का खेल हुआ तो साढ़े दस बजे तक मैच खत्म भी हो जाएगा।

सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क और फैनकोड एप पर लाइव देख सकते हैं मुकाबले

इस सीरीज के टेलीकास्ट राइट्स सोनी स्पोर्ट्स के पास हैं, यानी टीवी पर मैच को लाइव देखने के लिए आपको सोनी स्पोर्ट्स के चैनलों पर जाना होगा, लेकिन सोनी लिव एप पर मैच नहीं देख पाएंगे।

मैच को मोबाइल पर देखने के लिए आपको फैनकोड एप पर जाना होगा, लाइव स्ट्रीमिंग के राइट्स उसी के पास हैं। यानी कुल मिलाकर देखा जाए तो स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉट स्टार पर मैच नहीं देखे जा सकेंगे।

एशियन गेम्स के नॉकआउट मैचों का बदला टाइम, अब 30 मिनट पहले शुरू होंगे मुकाबले

नई दिल्ली

एशियन गेम्स 2026 में पुरुषों की टीम के नॉकआउट मैचों का समय बदल गया है। अब ये मैच अपने पुराने समय से आधा घंटा पहले शुरू होंगे। नए टाइम-टेबल के हिसाब से जो मैच जापान में दोपहर 2:00 बजे होने थे, वे अब दोपहर 1:30 बजे से खेले जाएंगे। अच्छी बात यह है कि वुमेंस क्रिकेट टीम के मैचों के समय में कोई बदलाव नहीं हुआ है, वे अपने पुराने समय पर ही होंगे। एशियन गेम्स में टीम इंडिया अपना पहला मैच 28 सितंबर को खेलेगी।

भारत में कितने बजे से शुरू होंगे मुकाबले

एशियन गेम्स में भारतीय टीम को सीधे नॉकआउट दौर में जगह मिली है। जापान का समय भारत से 3 घंटे 30 मिनट आगे है, इसलिए वहां दोपहर 1:30 बजे शुरू होने वाले पहले मैच को फैंस भारत में सुबह 10:00 बजे से देख पाएंगे। वहीं, सुबह के मैचों के समय में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वे जापान के समय के अनुसार सुबह 9:00 बजे यानी भारतीय समयानुसार सुबह 5:30 बजे ही शुरू होंगे।

जो रूट ने तोड़ा सचिन तेंदुलकर का वर्ल्ड रिकॉर्ड



एजबेस्टन

इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के दौरान सचिन तेंदुलकर का एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। अब वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा हाफ सेंचुरी बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। यह मुकाम उन्होंने एजबेस्टन में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में नाबाद 62 रन बनाकर हासिल किया।

जो रूट ने अपने नाम किया एक खास रिकॉर्ड

62 रनों की पारी खेलकर इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा फिफ्टी (अर्धशतक) लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने शनिवार को पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे टेस्ट में अपने करियर की 69वीं फिफ्टी ठोककर भारतीय महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया। सचिन के नाम टेस्ट मैचों में 68 फिफ्टी लगाने का रिकॉर्ड था, जिसे उन्होंने 200 मैचों में बनाया था।

वहीं जो रूट ने यह कमाल सिर्फ 168वें मैच में ही कर दिखाया।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक

69* - जो रूट
68 - सचिन तेंदुलकर
66 - एस. चंद्रपॉल
63 - एलन बॉर्डर
63 - राहुल द्रविड़
62 - रिकी पोंटिंग

लाज भी नहीं बचा सका पाकिस्तान

बर्मिंघम में इंग्लैंड की 8 विकेट से जीत, सीरीज में किया क्लीन स्वीप



बर्मिंघम

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच टेस्ट सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में खेला गया। इस टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने 3-0 से सीरीज अपने नाम की और पहली बार अपने घर पर पाकिस्तान का क्लीन स्वीप किया। इंग्लैंड को जीत के लिए 130 रनों का लक्ष्य मिला था, जिसे मेहमान टीम ने 24.2 ओवरों मे 2 विकेट गंवाकर जीत हासिल कर ली।पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी में 449 रन बनाए थे और उन्होंने इंग्लैंड के सामने जीत के लिए 130 रन का टारगेट रखा। पाकिस्तान के लिए दूसरी पारी में रजाउल्लाह ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 81 रन बनाए थे।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। उनके दोनों सलामी बल्लेबाज बेन डकेट और एमिलियो गे पहले ही ओवर में बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। फिर जो रूट और जॉर्डन कॉक्स ने पारी संभाला और तीसरे विकेट के लिए 140 गेंदों में 128 रन की साझेदारी की। कप्तान रूट ने 69 गेंदों में 62 रन और कॉक्स ने 76 गेंदों में नाबाद 59 रन की शानदार पारी खेली। मैच में 65 रन बनाने वाले और दो विकेट लेने वाले डैन लॉरेंस मैन ऑफ द मैच रहे।ऑली राबिंसन 58 रन और 21 विकेट तथा मोहम्मद अब्बास 86 रन 13 विकेट प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए।

WTC पॉइंट्स टेबल में इंग्लैंड को नहीं हुआ फायदा

तीसरा टेस्ट मैच जीतने के बाद भी इंग्लैंड को WTC पॉइंट्स टेबल में कुछ फायदा नहीं हुआ है। इस मैच से पहले इंग्लैंड का जीत प्रतिशत WTC में 34.44 का था और वो पॉइंट्स टेबल में छठे नंबर पर थे। वहीं तीसरा टेस्ट मैच जीतकर इंग्लैंड का जीत प्रतिशत बढ़कर 38.54 हो गया है लेकिन वो अभी भी छठे नंबर पर ही हैं। वहीं पाकिस्तान की टीम 14.81 जीत प्रतिशत के साथ आखिरी पायदान पर है।

टीम इंडिया 51.52 जीत प्रतिशत के साथ पांचवें नंबर पर है।

ज्वेरेव ने यूएस ओपन 2026 के फाइनल में बनाई जगह, खिताबी मैच में होगा बेन शेल्टन से सामना

न्यूयार्क

यूएस ओपन 2026 के पुरुष सिंगल्स इवेंट के फाइनल मुकाबले में 14 सितंबर की सुबह अलेक्जेंडर ज्वेरेव का अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन से सामना होगा। अलेक्जेंडर ज्वेरेव अपने टेनिस करियर में दूसरी बार यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचने में कामयाब हो पाए हैं तो वहीं इससे पहले पिछली बार उनको हार का सामना करना पड़ा था। अलेक्जेंडर ज्वेरेव का सेमीफाइनल में सामना रूस के करेन खाचानोव से हुआ था, जिसको वह तीन सेटों तक चले मुकाबले को 3-0 से जीतने में कामयाब रहे। वहीं बेन शेल्टन को लेकर बात की जाए तो उन्होंने सेमीफाइनल मुकाबले में हमवतन खिलाड़ी टियाफो को मात दी।

ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद की शानदार वापसी

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन 2026 के पुरुष सिंगल्स सेमीफाइनल मैच में अपने दबदबे का पूरी तरह से एहसास कराया जिसमें उन्होंने



रूस के करेन खाचानोव को पहले सेट में एकतरफा 6-3 के अंतर से मात दी तो वहीं इसके बाद दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला जिसमें टाई ब्रेकर में जाने के बाद ज्वेरेव ने 7-6 के अंतर से अपने नाम करने के साथ मुकाबले में 2-0 की बढ़त बना ली। तीसरे सेट में भी ज्वेरेव और खाचानोवा के बीच काफी रोमांचक मुकाबला देखने को मिला और टाई ब्रेकर में जाने के बाद ज्वेरेव इसे 7-6 के अंतर से जीतने में कामयाब रहे। इस साल ज्वेरेव लगातार तीसरी बार ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचने में कामयाब रहे हैं, जिसमें उनको फ्रेंच ओपन में जीत मिली थी तो वहीं विंबलडन में उनको हार का सामना करना पड़ा था।

बेन शेल्टन पहली बार ग्रैंड स्लैम का खेलेंगे फाइनल मैच

अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन पहली बार अपने करियर में पहली बार ग्रैंड स्लैम के फाइनल मुकाबले में पहुंचने में कामयाब हो सके हैं। शेल्टन का यूएस ओपन 2026 में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है जिसमें वह क्वार्टर फाइनल मैच में दिग्गज खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज को मात देने में कामयाब रहे थे। वहीं सेमीफाइनल मुकाबले में शेल्टन ने टियाफो को चार सेटों तक चले मैच में 3-1 के अंतर से मात दी जिसमें पहले सेट में उनको 6-4 के अंतर से हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद अगले तीन सेट को वह 6-3, 6-3 और 7-5 के अंतर से जीतने में कामयाब रहे थे। हालांकि अब उनके लिए फाइनल मुकाबला आसान नहीं रहने वाला है क्योंकि ज्वेरेव के खिलाफ उन्होंने अब तक 5 मैच खेले हैं और पांचों में शेल्टन को हार का सामना करना पड़ा है।

एशियाई खेलों से बाहर हुए ऋषिकांता

नई दिल्ली

एशियाई खेलों से पहले भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम को बड़ा झटका लगा है। कॉमनवेल्थ खेलों के रजत पदक विजेता ऋषिकांता सिंह चोट के कारण महाद्वीपीय खेलों से बाहर हो गए हैं।

ऋषिकांता एशियाई खेलों के लिए चुनी गई भारतीय टीम में इकलौते पुरुष वेटलिफ्टर थे। मणिपुर के ऋषिकांता 60 किलोग्राम भारवर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हैं। उन्हें घुटने में चोट लगी है, जिसके कारण वह अब एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व नहीं कर पाएंगे।

एशिया कप के फाइनल में भारतीय टीम के सामने होगी डिफेंडिंग चैंपियन श्रीलंका की चुनौती

दुबई

यहां खेले जा रहे महिला टी20 एशिया कप 2026 का फाइनल मुकाबला आज भारत और श्रीलंका की टीम के बीच में खेला जाएगा। दोनों ही टीमों ने अजेय रहते हुए खिताबी मैच के लिए अपनी जगह पक्की की है ऐसे में फाइनल मैच रोमांचक होने की पूरी उम्मीद लगाई जा सकती है। टीम इंडिया ने महिला टी20 इंटरनेशनल में श्रीलंका की टीम का सामना 31 बार किया है और इसमें से 25 बार वह मुकाबले को जीतने में कामयाब रही है जबकि सिर्फ 5 मैचों में उनको हार का सामना करना पड़ा है।

एएचएफ जूनियर महिला एशिया कप- 2026

सुप्रिया की हैट्रिक,भारत फाइनल में पहुंचा, दक्षिण कोरिया को हराया

नई दिल्ली

ड्रैग फ्लिकर सुप्रिया के तीन गोल की मदद से गत चैंपियन भारत ने दक्षिण कोरिया को शनिवार को 5-1 से हराकर एएचएफ जूनियर महिला एशिया कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। सुप्रिया ने तीनों गोल पेनल्टी कॉर्नर पर किए। भारत का सामना अब चीन और जापान के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

पहले क्वार्टर में ही भारत ने खोला खाता

दोनों टीमों ने संभलकर शुरुआत की लेकिन भारत ने 13वें मिनट में खाता खोला जब मधु सिदर ने शानदार फील्ड गोल पर टीम को 1-0 से बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने कोरियाई गोल पर लगातार हमले बोले। भारत को 17वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर सुप्रिया ने गोल करके बढ़त दोगुनी कर दी। भारत ने गेंद पर नियंत्रण के मामले में दबदबा बनाए रखा और 21वें मिनट में कोरियाई गोल के 23 मीटर के भीतर हवा में आई गेंद को भारतीय विंगर ने लपका और सर्कल के भीतर शानदार क्रॉस दिया। इसे सुखवीर ने गोल में बदलकर स्कोर 3-0 कर दिया।



कोरियाई हमलों को किया नाकाम

भारत को 33वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को सुप्रिया ने गोल में बदला। दक्षिण कोरिया के लिए यूरी जियोंग ने 41वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 4-1 किया। भारत ने आखिरी क्वार्टर में बेहतरीन डिफेंस का प्रदर्शन करते हुए कोरियाई हमलों को नाकाम कर दिया। भारत के लिए पांचवां गोल 56वें मिनट में सुप्रिया ने पेनल्टी कॉर्नर पर किया। सुप्रिया ने शानदार खेल दिखाते हुए पेनल्टी कॉर्नर पर तीन गोल दागते हुए हैट्रिक लगाई।

मोहम्मद सिराज बने हैदराबाद टीम के कप्तान

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को एक नई और बड़ी जिम्मेदारी मिली है। उन्हें रणजी ट्रॉफी 2026-27 के लिए हैदराबाद टीम का नया कप्तान बनाया गया है। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने इस फैसले की जानकारी दी है। सिराज टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि तेज गेंदबाज चामा मिलिंद को उप-कप्तान चुना गया है। मोहम्मद सिराज हाल ही में दलीप ट्रॉफी फाइनल में खेलते हुए नजर आए थे और वहां उनका प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा था। रणजी ट्रॉफी का नया सीजन 11 अक्टूबर से शुरू हो रहा है, जिसमें हैदराबाद का पहला मैच त्रिपुरा के खिलाफ होगा। हैदराबाद को एलीट ग्रुप बी में रखा गया है, जिसमें सौराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, आंध्र प्रदेश टीमें शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया-ए ने भारतीय महिला टीम ए को छह विकेट से हराया

न्यू चंडीगढ़

ऑस्ट्रेलिया-ए की महिला टीम ने भारत-ए के खिलाफ पहले अनाधिकारिक टी-20 मुकाबले को 6 विकेट से अपने नाम किया। इसी के साथ मेहमान टीम ने 3 मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। सीरीज के शेष मुकाबले 15 और 17 सितंबर को खेले जाने हैं। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी भारतीय टीम 19 ओवरों में 117 रन पर सिमट गई। मेजबान टीम ने 4 के स्कोर पर दिनेश वृंदा (1) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद शिप्रा शर्मा ने कप्तान अनुष्का शर्मा के साथ दूसरे विकेट के लिए 13 रन जुटाए। टीम ने 17 के स्कोर पर अनुष्का (6) का विकेट भी गंवा दिया। यहां से शिप्रा ने तेजल हसबनीस के साथ तीसरे विकेट के लिए 15 रन जुटाए। तेजल 15 गेंदों में 4 बाउंड्री के साथ 22 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि शिप्रा ने 17 रन की पारी खेली। इनके अलावा, मिनु मणि ने 23 रन और सयाली सतघरे ने 16 रन की नाबाद पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से टेस फ्लिंटॉफ ने 4 ओवरों में 13 रन देकर 4 विकेट निकाले, जबकि मिली इलिंगवर्थ और सियाना जिंजर ने 2-2 विकेट चटकाए। डार्सी ब्राउन और चार्ली नॉट को 1-1 विकेट हाथ लगा। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 14 ओवरों में 4 विकेट खोकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। ताहलिया विल्सन ने रेशल ट्रेनामन के साथ पहले विकेट के लिए 21 रन की साझेदारी की। रेशल 11 रन बनाकर आउट हुईं, जिसके बाद ताहलिया ने 22 रन का योगदान दिया।मेहमानों को 36 के स्कोर पर दूसरा झटका लगा। इसके बाद केटी मैक ने चार्ली नॉट के साथ तीसरे विकेट के लिए 43 रन जुटाकर टीम को जीत की पटरी पर ला दिया। केटी 18 रन बनाकर आउट हुईं और फिर चार्ली नॉट ने 35 रन और अनिका लीरॉयड ने 33 रन जोड़कर टीम को आसान जीत दिलाई। भारत के लिए अनुष्का शर्मा ने रन देकर 2 विकेट चटकाए।

यूएई को हराकर नेपाल ने एशिया कप 2027 के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली

नेपाल ने एसीसी मेंस प्रीमियर कप 2026 के फाइनल में यूएई को 44 रनों से मात देकर शानदार जीत दर्ज की। मलेशिया के बायुमास ओवल मैदान पर खेले गए इस मैच में नेपाल के ओपनर आसिफ शेख ने बेहतरीन शतक जड़ा। इस जीत के साथ कप्तान संदीप लामिछाने की टीम नेपाल ने बांग्लादेश में होने वाले एशिया कप 2027 के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। एशिया कप 2027 बांग्लादेश की मेजबानी में खेला जाएगा।

क्वालीफाई करने वाली छठी टीम बनी नेपाल

नेपाल क्वालीफाई करने वाली छठी और आखिरी टीम बन गई है। अब टूर्नामेंट की सभी 6 टीमें तय हो गई हैं। वनडे फॉर्मेट में होने के कारण इस बार सिर्फ 6 टीमें ही खेलेंगी जिसमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, अफगानिस्तान और मेजबान बांग्लादेश को सीधे जगह मिली है, जबकि नेपाल छठी टीम के रूप में शामिल हुआ है। प्रीमियर कप फाइनल में नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 313 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। नेपाल की ओर से ओपनर आसिफ शेख ने 102 रन की तूफानी शतकीय पारी खेली, वहीं गुलशन झा ने भी सिर्फ 38 गेंदों में 52 रन कूटकर यूएई के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। इसके बाद 314 रन का पीछा करने उतरी यूएई की पूरी टीम 49.1 ओवर में 269 रन पर ही ढेर हो गई। यूएई की तरफ से राहुल चोपड़ा ने भी शतक लगाया। वह 100 रन बनाकर आउट हुए लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। उनके अलावा सोहैब खान ने 52 रन की पारी खेली। नेपाल की क्रिकेट टीम दूसरी बार एशिया कप खेलने जा रही है। इससे पहले 2023 में टीम ने अपना पहला एशिया कप खेला था, जहां भारत और पाकिस्तान के खिलाफ उन्हें हार का सामना करना पड़ा था, दो मैच हारकर उनकी टीम बाहर हो गई थी। लेकिन पिछले तीन सालों में नेपाली टीम का खेल और अनुभव काफी बेहतर हुआ है, और अब 2027 के टूर्नामेंट में यह टीम बड़ी टीमों को कांटे की टक्कर देने के इरादे से मैदान में उतरेगी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भी नेपाल ने अच्छा प्रदर्शन किया था।

श्रीसंत के पिता का 89 साल की उम्र में निधन

केरल

क्रिकेटर एस श्रीसंत के पिता वी. संथाकुमारन नायर का निधन हो गया है। वह 89 वर्ष के थे। परिवार के सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने शुक्रवार रात कोच्चि के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। नायर का लिसी अस्पताल में इलाज चल रहा था। शुक्रवार रात करीब 9:45 बजे उनका निधन हुआ। परिवार के मुताबिक, वी. संथाकुमारन नायर का पार्थिव शरीर फिलहाल अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया है। रविवार को इसे कोठामंगलम स्थित परिवार के घर ले जाया जाएगा।

डीजीपी-आयुक्त से शिकायत के बाद टीटी नगर पुलिस ने दर्ज किया जालसाजी का केस

भोपाल (नगर संवाददाता)

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना और पुलिस आयुक्त संजय कुमार से शिकायत के बाद टीटी नगर पुलिस ने अजाक्स से जुड़े जालसाजी और गबन के मामले में आखिरकार प्रकरण दर्ज कर लिया। आरोप है कि निजी संस्था को सरकारी बताकर अजाक्स की सदस्यता ली गई और संस्था की करीब 18 लाख रुपए की राशि का हिसाब नहीं दिया पुलिस ने मुरैना निवासी मुकेश मौर्य को आरोपी बनाया है। आरोप है कि वे ग्वालियर स्थित निजी संस्था माधव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस का संचालन करते हैं। उन्होंने संस्था को शासकीय बताकर अजाक्स की सदस्यता ली और स्वयं को मशीन अटेंडेंट बताया था। मामला जेएन कंसोटिया के प्रदेश अध्यक्ष रहते सामने आया था। जांच में 17.95 लाख रुपए की वसूली राशि का हिसाब नहीं देने की बात सामने आई। इसमें अजाक्स कर्मचारियों से विभिन्न आयोजनों के लिए वसूले गए 12.94 लाख रुपए से अधिक शामिल हैं। कई नोटिस और बैठक के बाद जुलाई 2023 में उन्हें संस्था से निष्कासित कर दिया गया था। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी विजय कुमार पाठक की अदालत ने पुलिस को कार्रवाई कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए थे।

ऑनलाइन रेल टिकट बुकिंग में बना नया रिकॉर्ड

एक दिन में 20 लाख से अधिक टिकट की बुकिंग

भोपाल (नगर संवाददाता)

भारतीय रेल की ऑनलाइन टिकट बुकिंग व्यवस्था को अधिक सक्षम, सुरक्षित एवं यात्री-अनुकूल बनाने के लिए आईआरसीटीसी के तकनीकी उन्नयन के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। पश्चिम मध्य रेल के सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि नए तकनीकी सिस्टम से रेल्वे ने 7 सितंबर को एक दिन में भोपाल समेत पूरे देश में 20,06,353 टिकटों की ऐतिहासिक रिकॉर्ड बुकिंग दर्ज की। यह अब तक की सबसे अधिक एकदिवसीय टिकट बुकिंग है। यह उपलब्धि मुख्य रूप से त्योहारी सीजन में अग्रिम



आरक्षण पीरियड के अंतर्गत बढ़ी मांग के कारण दर्ज हुई है। इसके अगले दिन 08 सितंबर को भी भी बेहतर नेट सिस्टम ने 19,50,699 टिकटों की बुकिंग सफलतापूर्वक संभाली।

बता दे पिछले वर्ष त्योहारी सीजन में 19 अगस्त 2025 को एक दिन में सर्वाधिक 18,40,203 टिकट बुक किए गए थे। इस प्रकार वर्तमान रिकॉर्ड पिछले वर्ष के रिकॉर्ड से भी उल्लेखनीय रूप से अधिक है।

नई तकनीक से सुरक्षित एवं बेहतर बुकिंग अनुभव–बता दे कि आईआरसीटीसी ने नई तकनीक लागू की गई है। इस तकनीक के माध्यम से हाल के महीनों में संदिग्ध ट्रैफिक में 55 से 65 प्रतिशत तक कमी लाई गई है। वहीं सीडीएन के उपयोग से नेट सिस्टम पर लोड कम हुआ है।

तकनीकी उन्नयन से बढ़ी सिस्टम क्षमता

उन्होंने बताया कि रेल टिकट बुकिंग प्रणाली की क्षमता बढ़ाने के लिए नेट सिस्टम में सर्वर क्षमता का व्यापक विस्तार किया है। पुराने सर्वरों के स्थान पर नए सर्वर लगाए जाने से पूरे सिस्टम की क्षमता लगभग दोगुनी हुई है। इसके साथ ही सॉफ्टवेयर ऑप्टिमाइजेशन एवं आर्किटेक्चर में सुधार के माध्यम से भी सिस्टम की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। कटारिया ने बताया कि आईआरसीटीसी ने 15 जुलाई से नई यूजर इंटरफेस शुरू किया था। नए इंटरफेस में यात्रियों के लिए टिकट बुकिंग प्रक्रिया को अधिक सरल एवं सुविधाजनक बनाया गया है। विभिन्न श्रेणियों जैसे स्लीपर, एसी 3 एवं ऐसी 2 की उपलब्धता को एक ही स्क्रीन पर देखने की सुविधा दी गई है, जिससे यात्री आसानी से विकल्पों की तुलना कर सकें और शीघ्र निर्णय ले सकें।

सख्ती: फर्जी आईडी से होटल में ठहरना अब नहीं होगा आसान

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी के होटलों में फर्जी पहचान-पत्र के जरिए ठहरने वाले अपराधियों और संदिग्धों पर अब पुलिस तकनीक के जरिए नजर रखेगी। भोपाल पुलिस होटल मेहमानों की आईडी का रियल टाइम ऑनलाइन सत्यापन करने की व्यवस्था लागू करने जा रही है। जाली या छेड़छाड़ वाले दस्तावेज मिलते ही एआई आधारित प्रणाली पुलिस को तत्काल अलर्ट देगी। पुलिस आयुक्त संजय कुमार के अनुसार निजी सॉफ्टवेयर कंपनी के सहयोग से कॉमन डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किया जा रहा है। इसका पायलट प्रोजेक्ट एमपी नगर थाना क्षेत्र से शुरू होगा। होटल संचालक चेक-इन के समय अतिथि का पहचान-पत्र पोर्टल पर अपलोड करेंगे। मेहमानों के आने-जाने की जानकारी पुलिस को ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी। एआई और सत्यापन उपकरण दस्तावेजों की जांच कर संदिग्ध आईडी को चिन्हित करेंगे। इसके बाद संबंधित थाना और पुलिस कंट्रोल रूम को स्वतः सूचना मिलेगी। पुलिस के अनुसार फर्जी दस्तावेजों के जरिए होटल में ठहरने के मामलों को देखते हुए यह व्यवस्था जरूरी हुई है।



फर्जी आईएएस तृप्ति पर तीसरा केस नौकरी के नाम पर लिए थे तीन लाख

भोपाल (नगर संवाददाता)



फर्जी आईएएस तृप्ति सिंह राजपूत पर अब बागसेवनिया थाने में तीसरा मामला दर्ज हुआ है। एमपीपीएससी की तैयारी कर रही युवती ने शिकायत की है कि तृप्ति ने उसे मानव संसाधन विकास मंत्रालय में स्थायी प्रतिनिधि पद पर नौकरी लगवाने का भरोसा दिया था। इसके लिए उससे 3 लाख रुपए लिए गए। नौकरी नहीं लगी तो रकम वापस मांगने पर तृप्ति ने टालमटोल की और बाद में पूरी रकम लौटा दी। पुलिस ने तृप्ति और उसके एक साथी मोबाइल नंबर धारक के खिलाफ धोखाधड़ी, प्रतिरूपण और फर्जी दस्तावेज से जुड़ी धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, जहांगीराबाद निवासी ख्याति धौलपुरे ने बताया कि उसकी तृप्ति से जून 2024 में मुलाकात हुई थी। तृप्ति ने खुद को नरोन्हा एकेडमी में एचओडी बताया और सरकारी नौकरी लगवाने का भरोसा दिया।

ख्याति ने जुलाई 2024 में अलग-अलग तारीखों पर ऑनलाइन करीब 1.50 लाख रुपए दिए और इतनी ही रकम नकद देने का आरोप है। शिकायत के मुताबिक रकम लेने के बाद तृप्ति ने ख्याति को नौकरी की ट्रेनिंग का हिस्सा बताकर भोपाल के ट्राइबल म्यूजियम ले गई। वहां पौधरोपण कराया, भाषण दिलवाया और वीडियो बनवाए। दस्तावेज सत्यापन के नाम पर तृप्ति ने उसे एक मोबाइल नंबर दिया। मार्च 2026 में इसी नंबर से फोन आया और कॉल करने वाले ने खुद को एसपी ऑफिस भोपाल से बताया। कुछ समय बाद तृप्ति ने उसे एमपीएक्स में इंटर्नशिप करने की सलाह दी और पीएम बनवाकर सैलरी मिलने का भरोसा भी दिया। समय बीतने के बाद जब ख्याति ने नौकरी को लेकर सवाल किए तो तृप्ति ने उसके नाम का जॉइनिंग लेटर दिखाया, जिस पर एलबीएसएनएए की सील लगी थी। जनवरी 2026 में मसूरी से ट्रेनिंग संबंधी एक और ई-मेल भेजा गया और ट्रेनिंग की तारीख बताई गई। निर्धारित तारीख निकलने के बाद ख्याति ने रकम वापस मांगी।

बीयू कुलगुरु के लिए एक दर्जन से अधिक नाम छांटे

इंटरेक्शन के बाद बनेगा चार से पांच नामों का पैनल

भोपाल (नगर संवाददाता)

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय को अक्टूबर के पहले सप्ताह में नया कुलगुरु मिलने की संभावना है। सर्च कम स्क्रूटनी कमेटी ने करीब 62 आवेदकों के दस्तावेजों की जांच के बाद 13 से 14 नाम शॉर्टलिस्ट किए हैं। सूत्रों के मुताबिक चयनित उम्मीदवारों को सितंबर के अंतिम सप्ताह में कमेटी के समक्ष इंटरेक्शन और प्रेजेंटेशन के लिए बुलाया जाएगा। इसके बाद चार से पांच नामों का पैनल कुलाधिपति एवं राज्यपाल मंगुभाई पटेल को सौंपा जाएगा। हाल के दिनों में कुलगुरुओं की नियुक्ति के पैटर्न को देखते हुए राज्यपाल से इंटरेक्शन के बाद नए कुलगुरु के नाम की घोषणा जल्द होने की संभावना है।

लोकभवन की ओर से गठित तीन सदस्यीय सर्च कमेटी में पूर्व कुलगुरु प्रो. टीआर थापक, पूर्व कुलपति डॉ. प्रकाश सी. बरतुनिया और हैदराबाद की एक यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति प्रो. ई. सुरेश शामिल हैं। कमेटी ने निर्धारित योग्यता के साथ आवेदकों के शैक्षणिक और प्रशासनिक अनुभव के आधार पर नाम शॉर्टलिस्ट किए हैं। चयनित उम्मीदवार इंटरेक्शन राउंड में विश्वविद्यालय के विकास को लेकर अपना विजन, कार्ययोजना और प्रस्तावित नवाचार बताएंगे। वे कमेटी के सामने इसका प्रेजेंटेशन भी देंगे।

बीयू के कुलसचिव सहित तीन की दावेदारी, पूर्व कुलगुरु दौड़ से बाहर

कुलगुरु पद के लिए बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव प्रो. एसबी सिंह, विधि विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. मोना पुरोहित और कॉमर्स विभाग के प्रो. सुरेश खटीक ने आवेदन कर अपनी दावेदारी पेश की है। बीयू के पूर्व कुलगुरु प्रो. एसके जैन ने भी आवेदन किया था, लेकिन सूत्रों के अनुसार वे इस दौड़ से बाहर हो गए हैं। इसके अलावा प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों में कुलगुरु रह चुके सीनियर प्रोफेसरों और प्रदेश के बाहर के शिक्षाविदों ने भी आवेदन किए हैं।

अब ऑनलाइन होगा कर्मचारियों का सेवा रिकॉर्ड, 30 की डेडलाइन

30 सितंबर तक सभी विभागों को ई-एचआरएमएस और डीई पोर्टल अपनाने के निर्देश

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों के मानव संसाधन प्रबंधन और विभागीय जांच प्रकरणों के ऑनलाइन प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए राज्य शासन ने ई-एचआरएमएस और डीई पोर्टल को सभी विभागों में लागू करने का निर्णय लिया है। इन पोर्टलों के माध्यम से संबंधित प्रक्रियाओं के एंड-टू-एंड ऑनलाइन वर्कफ्लो की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। दोनों पोर्टल आईएफएमआईएस, स्पैरो सहित अन्य कर्मचारी-संबंधी पोर्टलों के साथ एकीकृत हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागों को इन पोर्टलों को अपनाने के निर्देश दिए हैं।

प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभागवार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने और पोर्टलों की प्रगति की नियमित निगरानी करने के लिए भी कहा गया है। विभागों के साथ-साथ उनके अधीनस्थ क्षेत्रीय कार्यालयों में भी इनका उपयोग सुनिश्चित करने की अपेक्षा की गई है। संबंधित विभागों को 30 सितंबर तक आवश्यक कार्रवाई पूरी करनी होगी। ई-एचआरएमएस के लागू होने से कर्मचारियों के नियुक्ति से लेकर सेवानिवृत्ति तक के संपूर्ण सेवा-जीवन चक्र का एकीकृत और सुव्यवस्थित डिजिटल प्रबंधन संभव होगा। अवकाश, भ्रमण, विभिन्न सूचनाओं और सेवा-संबंधी अनुमतियों के निराकरण में समय और कार्यभार कम होगा। इससे निर्णय प्रक्रिया अधिक तेज और पारदर्शी होने की उम्मीद है। इसके अलावा पदोन्नति, परिवीक्षाधीन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सेवा की पुष्टि तथा अन्य स्थापना संबंधी मामलों के समयबद्ध निराकरण में भी सुविधा मिलेगी।

स्थानांतरण, पदस्थापना और विभिन्न संवर्गों के प्रबंधन से जुड़े कार्यों को भी अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित तरीके से संचालित किया जा सकेगा।

विभागीय जांच की ऑनलाइन ट्रैकिंग

डीई पोर्टल के जरिए विभागीय जांच प्रकरणों के पंजीयन से लेकर अंतिम निर्णय तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन की जाएगी। इससे जांच प्रकरणों की स्थिति की निगरानी और ट्रैकिंग प्रभावी ढंग से हो सकेगी। शासन का उद्देश्य विभागीय जांच की प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने के साथ ही प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण को सुनिश्चित करना है।

कर्मचारियों को मिलेगा समेकित डिजिटल प्रोफाइल

प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को अपनी सेवा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी एक ही डिजिटल प्रोफाइल में उपलब्ध होगी। इसमें सेवा-वृत्त, जीपीएफ की शेष राशि, वेतन पर्ची, अवकाश विवरण सहित अन्य आवश्यक सेवा संबंधी जानकारियां शामिल होंगी। इससे कर्मचारियों को अपनी सेवा संबंधी जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी और विभागीय कार्यों में भी पारदर्शिता बढ़ेगी। ई-एचआरएमएस के माध्यम से वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन (एसीआर/एपीआर) के प्रबंधन और अनुश्रवण की प्रक्रिया को भी अधिक सुव्यवस्थित किया जाएगा। इससे संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रतिवेदन की प्रक्रिया की ऑनलाइन निगरानी संभव होगी।

प्रसूता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, जांच शुरू

भोपाल। गुनगा थाना क्षेत्र स्थित गांव रोडिया में रहने वाली 24 साल की महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रसव पीड़ा होने के कारण उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां उसने एक बच्ची को जन्म दिया। बच्ची की कुछ समय बात ही मौत हो गई। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। अंशु यादव पति वीरेंद्र यादव (24) गांव रोडिया, गुनगा में रहती थी। गत 9 सितंबर को उसे प्रसव पीड़ा होने के बाद परिजन हमीदिया लेकर पहुंचे थे। हमीदिया अस्पताल में उसने एक बच्ची को जन्म दिया। बच्ची कमजोर थी और बच्ची की कुछ समय बात ही मौत हो गई। प्रसव के बाद अंशु यादव की स्थिति भी ठीक नहीं थी। लिहाजा उसका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान रविवार सुबह अंशु की भी मौत हो गई।

मऊगंज, मैहर पांढुर्णा व निवाड़ी में आसानी से बनेंगे जाति प्रमाण पत्र

■ चार नए जिलों में आरक्षण की उलझन सुलझी

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश के नवगठित चार जिलों मऊगंज, मैहर, पांढुर्णा और निवाड़ी में जाति प्रमाण पत्र बनवाने को लेकर आ रही अड़चन दूर हो गई है। सरकार ने इन जिलों में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की श्रेणी में शामिल जातियों को स्पष्ट कर दिया है। इससे संबंधित लोगों को प्रमाण पत्र बनवाने के साथ ही आरक्षण और सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने का रास्ता आसान होगा।

मऊगंज-मैहर में कुम्हार और पनिका को मान्यता–रीवा, सतना, छतरपुर, पन्ना, शहडोल, सीधी, टीकमगढ़ और दतिया समेत कई जिलों में कुम्हार, कुम्हार (प्रजापति) और कुंभार जाति एससी वर्ग में अधिसूचित है। अब मऊगंज और मैहर में भी इन्हें एससी श्रेणी में शामिल किया गया है। इसी तरह पनिका जाति को मऊगंज, मैहर और निवाड़ी में एसटी वर्ग में मान्यता दी गई है।

पांढुर्णा में पारधी सहित नौ जनजातियां एसटी में–पांढुर्णा जिले में पारधी, बहेलिया, बहेल्लिया, चिता पारधी, लंगोली पारधी, फांस पारधी, शिकारी, टाकनकार और टाकिया को एसटी श्रेणी में रखा गया है। ये सभी जातियां पहले से छिंदवाड़ा जिले में एसटी वर्ग में शामिल थीं। जिले के विभाजन के बाद प्रमाण पत्र बनाने में आ रही दिक्कत दूर हो गई है।

भोपाल में 45 की मंजूरी अटकी, कटनी में सबसे ज्यादा 275 मामले लंबित

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में मध्यप्रदेश के 723 भूमिहीन परिवार, जमीन के बिना कैसे बनें घर

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) में भूमिहीन परिवारों को जमीन देने के बाद भी सभी को पक्के घर की मंजूरी नहीं मिल पाई है। भूमिहीनों की सूची में शामिल प्रदेश के करीब 723 परिवारों को न तो जमीन मिली है और ना ही आवास। जबकि 46,378 भूमिहीन लाभार्थियों में 45,655 के आवास स्वीकृत हो चुके हैं।

यदि राजधानी भोपाल की बात की जाय तो कुल भूमिहीन लाभार्थियों में करीब 47 फीसदी के आवास अभी स्वीकृत नहीं हुए



हैं। यहां 96 भूमिहीन लाभार्थियों में 45 की मंजूरी बाकी है। जिससे जमीन की व्यवस्था के बाद भी आवास योजना का अगला चरण आगे नहीं बढ़ पाया है। इसके साथ ही कटनी 275, नर्मदापुरम 110, खंडवा 86 और जबलपुर 54 प्रकरण लंबित मिलें हैं। जबकि योजना का उद्देश्य ऐसे परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराना है,

भूमिहीनों की संख्या वाले प्रमुख जिले व मंजूरी ज्यादा

जिला	कुल भूमिहीन	मंजूर	मंजूरी बाकी
कटनी	656	381	275
नर्मदापुरम	327	217	110
खंडवा	399	313	86
नरसिंहपुर	436	361	75
जबलपुर	24,667	24,613	54
भोपाल	96	51	45
सागर	924	912	12
हरदा	149	138	11
खरगोन	219	208	11

एक नजर में

कुल भूमिहीन लाभार्थी : 46,378
आवास मंजूर : 45,655
मंजूरी बाकी : 723

45,655 को मिल चुकी है मंजूरी

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के आंकड़ों की मानें तो राज्य में भूमिहीन लाभार्थियों की कुल संख्या 46,378 है। इनमें 45,655 को आवास की मंजूरी मिल चुकी है। जानकारी के अनुसार 13,532 भूमिहीन लाभार्थियों में से 13,498 को जमीन आवंटित या खरीदकर उपलब्ध कराई गई।

अच्छी खबर : 7,500 से ज्यादा मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगी ई-स्कूटी

■ मुख्यमंत्री 16 सितंबर को करेंगे वितरण

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश के शासकीय स्कूलों में कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 7,500 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 16 सितंबर को ई-स्कूटी की सौगात देंगे। राज्य स्तरीय वितरण कार्यक्रम सुबह 10 बजे शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिवाजी नगर, भोपाल में आयोजित होगा। मुख्यमंत्री स्कूटी योजना के तहत मिलने वाली इस सुविधा से विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के दौरान कॉलेज आने-जाने में सहूलियत होगी। योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करना है। इसका लाभ स्कूल शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग के शासकीय हायर सेकंडरी स्कूलों में नियमित रूप से अध्ययनरत विद्यार्थियों को दिया जाता है। सभी संकायों के विद्यार्थी इसके पात्र हैं। इसके लिए कक्षा 12वीं में प्रथम प्रयास में न्यूनतम 70 प्रतिशत अंक के साथ संबंधित स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त करना जरूरी है।

23 हजार से ज्यादा विद्यार्थी लाभान्वित

शिक्षण सत्र 2025-26 के लिए प्रदेश के 7,500 से अधिक पात्र विद्यार्थियों को ई-स्कूटी दी जाएगी। योजना के तहत अब तक प्रदेश के 23 हजार से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हो चुके हैं। सरकार इस योजना पर अब तक करीब 246 करोड़ रुपए खर्च कर चुकी है।

मनुआभान टेकरी में चाकू की नोक पर की थी वारदात

लूट के पांच आरोपी गिरफ्तार 6 लाख रुपए का माल बरामद

भोपाल (नगर संवाददाता)

मनुआभान टेकरी में महिला दोस्त के साथ घूमने पहुंचे युवक से लूट करने वाले पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूट का माल और घटना में प्रयुक्त छुरी और एक्टिवा वाहन बरामद किया है।

कोहेफिजा थाना पुलिस के मुताबिक 10 सितंबर की रात करीब साढ़े 8 बजे हर्ष शर्मा (28) महिला दोस्त के साथ मनुआभान टेकरी स्थित टावर ऑफ गार्डन रेस्टोरेंट के पीछे टंकी के पास बैठा था। इसी दौरान कुछ युवक वहां पहुंचे। एक आरोपी ने हर्ष से उसका मोबाइल छीनने का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपी ने चाकू से हमला कर उसे घायल किया और डराकर मोबाइल, सोने की चेन में लगा पेंडल, कान के टॉप्स तथा नगदी लूटकर फरार हो गए। इस मामले में संदीप विश्वकर्मा उर्फ खेड़ा (20), संदीप उर्फ संसू सोनी (22), कबीर पाल (20), दुर्गा कुशवाह (26) और कुलदीप यादव (26) को गिरफ्तार किया है। आरोपी छोला के शिवनगर और निशातपुरा इलाके के रहने वाले हैं, जबकि कुलदीप उप्र का रहने वाला है। गिरफ्तार आरोपियों में संदीप विश्वकर्मा, संदीप सोनी और कबीर पाल के खिलाफ पूर्व से विभिन्न थानों में आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

आईफोन, सोने की चेन-पेंडल समेत लूटा माल जब्त

सीसीटीवी फुटेज से मिला सुराग

पुलिस ने मनुआभान टेकरी और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान की गई और उनके संभावित ठिकानों पर दबिश देकर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

कल से मेट्रो 15 मिनट की जगह आधे घंटे में चलेगी

भोपाल (नगर संवाददाता)

15 मिनट में चलने वाली मेट्रो 15 सितंबर से हर आधे घंटे से चलेगी। हालांकि शाम के समय पांच बजे से साढ़े 7 बजे की बीच पीक आवर्स में 15 मिनट में ही मेट्रो सेवा उपलब्ध रहेगी। दोपहर के समय यात्री कम होने से मेट्रो कॉर्पोरेशन ने यह फैसला लिया है। सोमवार से शनिवार तक मेट्रो सेवा सुबह साढ़े 11 बजे से शाम साढ़े 7 बजे तक पहले की तरह उपलब्ध रहेगी। लेकिन अब सुबह साढ़े 11 बजे से शाम 5 बजे तक 15 मिनट की जगह 30 मिनट के अंतराल मेट्रो का संचालन होगा। जबकि शाम 5 बजे से शाम साढ़े 7 बजे तक 15 मिनट के अंतराल में ही मेट्रो सेवा उपलब्ध होगी। इसमें सुभाष नगर से पहली मेट्रो साढ़े 11 बजे और एम्स मेट्रो स्टेशन से पहली मेट्रो दोपहर 12 बजे रवाना होगी। वहीं सुभाष नगर से अंतिम मेट्रो शाम 7 बजे और एम्स मेट्रो स्टेशन से अंतिम मेट्रो शाम साढ़े 7 बजे रवाना होगी। रविवार और अवकाश के दिनों में मेट्रो साढ़े 11 बजे से रात साढ़े 8 बजे तक संचालित होगी।

पहले पीडब्ल्यूडी की जगह में रखीं गुमठियां अब नाले और ग्रीन बेल्ट पर भी हुआ कब्जा

रविशंकर मार्केट की 74 दुकानों की जगह 200 अवैध गुमठियां रखने का आरोप

भोपाल (नगर संवाददाता)

शनिवार-रविवार की रात में जेबीसी मशीनें लगाकर लिंक रोड नंबर 2 स्थित एक नाले के गड्ढे को मिट्टी से पूर दिया। यहां पूरी रात एक-एक कर गुमठियां रखी जा रही थीं। सुबह लोगों ने देखा तो तुरंत नगर निगम के अतिक्रमण अमले और हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने पाया कि यह 5 नंबर स्टॉप रविशंकर शुक्ल मार्केट की दुकानों का अस्थाई विस्थापन है। इससे पहले पास ही एक पीडब्ल्यूडी के स्टोर की खाली जमीन पर भी इसी तरह रातों-रात गुमठियां रख दी गईं और यही विस्थापन बताया गया। ऐसे शिवाजी नगर इलाके में बीते दिनों से खाली जगहों पर गुमठियां रखने के मामले सामने आ रहे हैं। दरअसल, शिवाजी नगर वार्ड 46 के 5 नंबर बस स्टॉप के पास रविशंकर शुक्ला मार्केट में हाउसिंग बोर्ड का



रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट चल रहा है। यहां की दुकानों को शिफ्ट करने की प्लानिंग बनी है। लेकिन इसकी आड़ में 200 से अधिक गुमठियां इलाके में रख दी गई हैं। बताया जाता है कि 74 दुकानों को ही अस्थाई शिफ्ट किया जाना था। लेकिन गुमठी माफिया सक्रिय हैं और बकायदा 3 साल की रसीद उपलब्ध करवा कर गुमठियां रखवा रहे हैं। शनिवार-रविवार की रात लिंक रोड नंबर दो पर एक बड़े नाले और ग्रीन बेल्ट की जमीन पर ऐसे ही गुमठियां रखवा दी गई हैं। पर्यावरण कार्यकर्ता राशिद नूर खान ने बताया कि लिंक रोड नंबर 2 के किनारे नाले और उससे सटी ग्रीन बेल्ट के कुछ हिस्सों को भरा गया है। वीडियो में जेसीबी और पोकलेन मशीनों का इस्तेमाल किया गया। इस मामले की उन्होंने भोपाल कलेक्टर, नगर निगम कमिश्नर और मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को शिकायत की है।

चोक हो सकता है अब नाला

राशिद नूर के मुताबिक मानसून के दौरान नाले को भरने से उसकी पानी ले जाने की क्षमता कम हो सकती है और पानी की प्राकृतिक निकासी में रुकावट आ सकती है, जिससे आस-पास के रिहायशी इलाकों में जलभराव का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने संयुक्त निरीक्षण, मास्टर प्लान 2005 के तहत लागू सेटबैक की तकनीकी माप और नाले व ग्रीन-बेल्ट की सीमाओं के सीमांकन की मांग की है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक मीरा मिश्रा द्वारा माँ शारदा प्रिंटर्स, 28 कुम्हारपुरा, चर्च रोड, जिन्सी चौराहा जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.-462008 से मुद्रित एवं मकान नं 92, ए/27 तुलसी नगर, सेकंड भोपाल म.प्र. 462003 से प्रकाशित मो.- 9893456370 E-mail Id: suryatarang955@gmail.com, (सभी न्यायालय मामलों के लिए जिला न्यायालय भोपाल रहेगा)